UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-242 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) शुक्रवार 14 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी चुनाव से पहले योगी सरकार का महिलाओं पर फोकस, 50 हजार रुपये तक की आर्थिक मदद की तैयारी

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले योगी सरकार महिलाओं के लिए एक बड़ी योजना लाने की तैयारी कर रही है. पड़ोसी राज्य बिहार में लागू की गई रोजगार आधारित आर्थिक सहायता योजनाओं की तर्ज पर प्रस्तावित इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना बताया जा रहा है.इसके तहत पात्र महिलाओं को कुल 50 हजार रुपये तक की वित्तीय सहायता दिए जाने का खाका तैयार किया जा रहा है.

प्रस्तावित योजना के अनुसार, महिलाओं को यह राशि तीन चरणों में मिल सकती है. पहली किस्त के तौर पर 20 हजार रुपये दिए जाने की तैयारी है. इसके बाद शेष 30 हजार रुपये 10-10 हजार रुपये की किस्तों में दिए जा सकते हैं. शुरुआती सहायता का इस्तेमाल महिला किस तरह करती है, इसके आधार पर आगे की किस्त जारी करने का निर्णय लिया जा सकता है. योजना का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक आधार उपलब्ध कराना है. लाभार्थी महिलाएं इस राशि से अपना छोटा कारोबार शुरू कर सकती हैं या स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आय का साधन विकसित कर सकती हैं. योजना का लाभ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की पात्र महिलाओं को देने की तैयारी है. विभागीय स्तर पर फिलहाल पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अन्य नियमों को लेकर रूपरेखा तैयार किए जाने की बात सामने आई है. सहायता राशि सीधे लाभार्थी महिलाओं के बैंक खातों में भेजे जाने की योजना है. इससे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए बिचौलियों की भूमिका को खत्म करने में मदद मिलेगी. बता दें, उत्तर प्रदेश में महिला मतदाताओं की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है. ऐसे में चुनाव से पहले महिलाओं के लिए सीधे आर्थिक सहायता वाली योजना को सरकार की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि परिवार की महिला को मिलने वाली आर्थिक मदद का असर पूरे परिवार के फैसले पर पड़ सकता है. प्रस्तावित योजना में दलित और पिछड़े वर्ग की महिलाओं पर विशेष ध्यान दिए जाने की भी चर्चा है. हालांकि, योजना की अंतिम पात्रता और क्रियान्वयन को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. महिला कल्याण से जुड़ी योजनाओं के लिए सरकार ने अनुपूरक बजट में 1,094.40 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया है. इसमें निराश्रित महिला पेंशन के लिए 930 करोड़ रुपये और मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लिए 110 करोड़ रुपये शामिल हैं. इसके अलावा रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के लिए 54.30 करोड़ रुपये और 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान बताया गया है.

मायावती ने पूर्व स्वास्थ्य मंत्री अनंत कुमार मिश्रा को बसपा से निकाला, पार्टी विरोधी गतिविधियों का लगाया आरोप

(यंग भारत न्यूज)

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश की पूर्व बसपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रहे अनंत कुमार मिश्रा, जिन्हें 'उंटू मिश्रा' के नाम से भी जाना जाता है, को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। मायावती ने गुरुवार को पार्टी विरोधी गतिविधियों का हवाला देते हुए उनका निष्कासन तत्काल प्रभाव से लागू किया। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक माहौल लगातार गर्म हो रहा है। ऐसे में बसपा के सभी स्तरों पर काम करने वाले पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को राजनीतिक विरोधियों की रणनीतियों से सतर्क रहना चाहिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे विरोधियों की ओर से दिए जाने वाले प्रलोभन, लालच, दबाव, विभाजन की कोशिशों और अन्य तरीकों से सावधान रहें। मायावती ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा के आंबेडकरवादी मिशन को सफल बनाने के लिए काम करना चाहिए। अनंत कुमार मिश्रा का निष्कासन बसपा के लिए संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वह मायावती के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। उनका पार्टी से बाहर होना आगामी विधानसभा चुनाव से पहले संगठन के भीतर अनुशासन को लेकर मायावती के सख्त रुख को दर्शाता है। इससे पहले भी मायावती ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में कई प्रमुख नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है। उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर और पूर्व राज्यसभा सांसद अशोक सिद्धार्थ को भी पार्टी से निष्कासित किया था। इसके अलावा पंजाब, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के पार्टी समन्वयक रणधीर सिंह बेनीवाल को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया था।

बसपा मुख्य रूप से दलितों, पिछड़े वर्गों और अन्य वंचित समुदायों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को अपने प्रमुख एजेंडे के रूप में पेश करती है। पार्टी अपने राजनीतिक संदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों और विरासत का लगातार उल्लेख करती है। इससे पहले मायावती ने विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 को लेकर सरकार और विपक्ष दोनों पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष को विधेयक पेश होने के समय उसकी कमियों को उजागर करना चाहिए था, न कि सदन की कार्यवाही बाधित करनी चाहिए थी। वहीं, विपक्ष के भारी विरोध के बीच विधेयक को बुधवार को 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया।

मरने पर कौन-कौन आएगा, जानने के लिए ज़िंदा शख्स ने निकलवाई अपनी शवयात्रा, कहा- लोगों का प्रेम देखना चाहता था

(यंग भारत न्यूज)

बिहार के गया जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। एक आदमी ने अपना नकली अंतिम संस्कार कर दिया। उसने दावा किया कि वह देखना चाहता था कि उसकी मौत के बाद कितने लोग उसे याद करके रोएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना गया जिले के गुरारू ब्लॉक के कोंची गांव में हुई।

74 साल के पूर्व एयर फोर्स सैनिक मोहन लाल ने जिंदा रहते हुए अपना अंतिम संस्कार करके सबको हैरान कर दिया। उन्होंने कुछ लोगों से कहा कि वे उन्हें एक सजे हुए जानवर पर श्मशान घाट ले जाएं जहां सभी रस्में निभाई गईं। बैकग्राउंड में कुछ इमोशनल गाने बज रहे थे। घटना की खबर जंगल में आग की तरह फैल गई, और सैकड़ों गांववाले इस अनोखे अंतिम संस्कार में शामिल हुए। जब वे पहुंचे, तो मोहन लाल खड़े हो गए और सबको चौंका दिया। एक प्रतीकात्मक पुतले का अंतिम संस्कार किया गया और एक सामुदायिक भोज का भी आयोजन किया गया। मोहन

लाल ने कहा कि वह देखना चाहते थे कि उनके अंतिम संस्कार में कौन शामिल होगा। उन्होंने कहा, 'मौत के बाद लोग जानवर ले जाते हैं, लेकिन मैं इसे खुद देखना चाहता था और जानना चाहता था कि लोग मुझे कितना सम्मान और प्यार देते हैं। स्थानीय लोग भी उनके सामाजिक काम की सराहना करते हैं। बारिश के मौसम में दाह संस्कार की मुश्किलों को देखते हुए, उन्होंने हाल ही में अपने खर्चे पर गांव में एक अच्छी सुविधाओं वाला श्मशान घाट बनवाया है। मोहन लाल की पत्नी जीवन ज्योति की 14 साल पहले मौत हो गई थी। उनके दो बेटे और एक बेटी हैं। इस घटना के वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर तेज़ी से वायरल हो रहे हैं। लोग इसे 'नकली अंतिम संस्कार का नाटक' कह रहे हैं और मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। कई लोगों ने इसे मज़ाक कहा, जबकि कुछ ने इसे ध्यान खींचने की कोशिश बताया। आदमी कहता है, 'मैं बस यह देखना चाहता था कि मेरे जाने के बाद मुझे कौन याद रखेगा। अब मुझे पता चला कि सच्चा प्यार क्या होता है। 2024 में, एक आदमी अंतिम संस्कार की चिता पर ज़िंदा हुआ लेकिन बाद में जयपुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना राजस्थान में हुई जब डॉक्टरों, जिन्हें बाद में सस्पेंड कर दिया गया, ने उस आदमी को मृत घोषित कर दिया और उसे पहले मुर्दाघर और फिर श्मशान घाट भेज दिया। 25 साल के बहरे-गूंगे रोहिताश को इलाज के लिए झुंझुनू जिले के भगवान दास खेतान सरकारी अस्पताल लाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके बाद उसके शरीर को दो घंटे के लिए मुर्दाघर के डीप फ्रीजर में रखा गया।

बागपत में पुजारी बना कातिल,हिंदू-मुस्लिम जिगरी दोस्तों को मारकर मंदिर में दफनाया, ऊपर से लगा दी टाइल्स

(यंग भारत न्यूज)

बागपत: उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में एक मंदिर परिसर से दो युवकों के शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई. चांदीनगर थाना क्षेत्र के लहचौड़ा गांव स्थित गणेश मंदिर में करीब 20 दिन से लापता दो दोस्तों अंकित और इसरार के शव धूनी के नीचे गड्ढे में दफन मिले हैं. आरोप है कि हत्या के बाद शवों को छिपाने के लिए ऊपर से इंटरलॉकिंग टाइल्स लगा दी गई थीं.

पुलिस ने दोनों शवों को गड्ढे से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. मामले में जिस पुजारी पर हत्या का आरोप लगाया जा रहा है, वह फिलहाल फरार बताया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, अंकित और इसरार करीब 20 दिन पहले अपने घर से निकले थे. इसके बाद दोनों वापस नहीं लौटे. परिजन लगातार उनकी तलाश कर रहे थे. बताया जा रहा है कि दोनों दोस्त लहचौड़ा गांव स्थित गणेश मंदिर में पुजारी से मिलने पहुंचे थे. इसके बाद से उनका कोई सुराग नहीं मिला. लगातार तलाश के बीच परिजनों को मंदिर परिसर में दोनों के शव दफन किए जाने की जानकारी मिली. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और संदिग्ध स्थान पर खुदाई कराई. खुदाई के दौरान गड्ढे से दोनों के शव बरामद हुए. इस मामले में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि दोनों शवों को मंदिर परिसर में बनी धूनी के नीचे गड्ढा खोदकर दफन किया गया था. इसके बाद गड्ढे के ऊपर इंटरलॉकिंग टाइल्स लगा दी गई थीं, ताकि वहां किसी को शक न हो. करीब 20 दिन बाद शव बरामद होने

के बाद मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया. पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

परिजनों ने मंदिर के पुजारी पर हत्या का शक जताया है. बताया जा रहा है कि आरोपी पुजारी पहले अंकित और इसरार के गांव सिंगोली तगा स्थित मंदिर में रहता था. करीब छह महीने पहले वह लहचौड़ा गांव के गणेश मंदिर में रहने आया था. परिजनों का आरोप है कि दोनों दोस्त पुजारी से मिलने मंदिर पहुंचे थे और इसके बाद से ही संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गए. वारदात के बाद से पुजारी के फरार होने की बात सामने आई है. पुलिस के मुताबिक, शुरुआती जांच में हत्या की वजह अवैध संबंध बताई जा रही है. पुलिस का कहना है कि मृतकों में से एक के परिवार की महिला से आरोपी पुजारी के कथित अवैध संबंध थे और इसी विवाद के चलते दोनों की हत्या किए जाने की आशंका है. हालांकि, मामले की पूरी तस्वीर पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगी. पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि हत्या में केवल पुजारी शामिल था या उसके साथ अन्य लोग भी वारदात में शामिल थे. दोनों युवकों के शव मिलने के बाद परिजनों में आक्रोश है. परिवार ने आरोपी पुजारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. परिजनों ने आरोपी के एनकाउंटर की मांग भी की है. फिलहाल पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है. घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. बागपत की इस घटना ने मंदिर परिसर में सुरक्षा और अपराध को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं. पुलिस हत्या की वजह, घटनाक्रम और इसमें शामिल अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की जांच कर रही है. फिलहाल आरोपी पुजारी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के बाद ही वारदात से जुड़े कई सवालों के जवाब मिलने की उम्मीद है.

जनपद जालौन में पूर्व प्रधान के गले में जूतों की माला डालकर घुमाने और मारपीट करने का बहुचर्चित मामला

एफआईआर दर्ज होने के बावजूद गिरफ्तारी न होने से जिला प्रशासन के विरूद्ध भड़क रहा आक्रोश

सरकार के जीरो टॉलरेंस को खुली चुनौती दे रहे हैं दबंग

- मुकदमे के आरोपी नहीं पकड़े गए तो कलेक्ट्रेट में गरजे लोग, बोले– धमकियां मिल रहीं, कभी भी हो सकती है अनहोनी
- हथनौरा के पूर्व प्रधान वीर सिंह के समर्थन में कालपी क्षेत्र से पहुंचे सैकड़ों लोग, डीएम से आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग

संजय श्रीवास्तव (प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उरई। थाना चुर्खी क्षेत्र के ग्राम हथनौरा निवासी पूर्व प्रधान वीर सिंह के मुकदमे में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने के विरोध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में लोगों का आक्रोश देखने को मिला। कालपी विधानसभा क्षेत्र के हथनौरा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग और पूर्व प्रधान के सजातीय समाज के लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार की सुरक्षा की मांग की।

धरने पर बैठे लोगों का कहना था कि 19 जुलाई को हुई घटना के संबंध में 21 जुलाई को थाना चुर्खी में मुकदमा संख्या 0055/2026 दर्ज कराया गया था, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार तथा उनके समर्थकों को लगातार धमकियां दी जा रही हैं। उनका कहना था कि यदि समय रहते आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो किसी बड़ी अनहोनी की स्थिति पैदा हो सकती है। पूर्व प्रधान वीर सिंह ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि मुकदमे में नामजद लोगों का पुराना आपराधिक इतिहास है। प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि आरोपियों के खिलाफ वर्ष 1990 से 2022 के बीच डकैती, अपहरण, हत्या के प्रयास और एससी-एसटी एक्ट सहित कई गंभीर मुकदमे दर्ज रहे हैं। कुछ आरोपियों के सजायाफ्ता होने का भी दावा किया गया है। धरने में शिवपाल सिंह, जयसिंह, सियाराम, लीनारायण, रामलखन सिंह, राजन रिछा, तगदौर, बोरमित, भगवतीप्रसाद, रात्रौतार, सिकन्दर, पवन कुमार, माला प्रसाद, रामराज सिंह, शजेरासिंह और ओमनारायण सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में कहा कि पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजे और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करे। वीर सिंह ने जिलाधिकारी से कहा कि आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि और कथित धमकियों को देखते हुए मामले को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने गिरफ्तारी के साथ ही परिवार की जान-माल की सुरक्षा की मांग की। धरने के दौरान लोगों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए मजबूर होंगे।

- मुकदमा संख्या 0055/2026 में गिरफ्तारी न होने पर कलेक्ट्रेट में धरना
- पूर्व प्रधान के समर्थन में हथनौरा समेत कालपी विधानसभा क्षेत्र से पहुंचे सैकड़ों लोग
- प्रदर्शनकारियों ने कहा–धमकियों के बीच परिवार की सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंता

जहरीले कीड़े के काटने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई । कालपी कोतवाली क्षेत्र के देवकली गांव में गुरुवार सुबह खेत पर काम करने गए 50 वर्षीय किसान लालबहादुर की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, देवकली निवासी लालबहादुर रोज की तरह गुरुवार सुबह अपने खेत पर काम करने गए थे। खेत में काम करते समय अचानक किसी जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। कीड़े के काटने के बाद उनकी हालत बिगड़ने लगी। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों को घटना की जानकारी दी गई, लेकिन हालत गंभीर होने के चलते कुछ ही देर बाद लालबहादुर ने दम तोड़ दिया ।किसान की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन बेटों को छोड़ गए हैं। बताया गया कि लालबहादुर खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनकी अचानक मौत से परिवार के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा हो गया है ।घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

स्कूल बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पत्नी और बेटी घायल

(यंग भारत न्यूज)

रामपुरा-उरई । रामपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार 38 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और छह वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के 13 वर्षीय पुत्र आयुष ने अपने पिता को मुखाग्नि दी। ग्राम मिर्जापुर जागीर निवासी शिवराज सिंह (38) पुत्र रमौतार पाल अपनी पत्नी मालती बघेल और छह वर्षीय पुत्री नैन्सी के साथ बाइक से ससुराल ग्राम रघुपुरा, थाना रौन, जिला भिंड जा रहे थे। दोपहर करीब 1:20 बजे मिहोना कस्बे के पास संस्कार विद्या निकेतन स्कूल की बिना नंबर की बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी ।हादसे में शिवराज सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पत्नी मालती बघेल और बेटी नैन्सी को भी चोटें आईं। घटना के बाद एंबुलेंस की मदद से शिवराज सिंह को उपचार के लिए ग्वालियर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई ।हादसे में छह वर्षीय नैन्सी के पैर में फ्रैक्चर होने के साथ शरीर में कई चोटें आई हैं, जबकि मालती बघेल भी घायल हुई हैं। मालती बघेल स्वास्थ्य विभाग में एएनएम के पद पर कार्यरत हैं। वह पूर्व में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा से संबद्ध थीं और वर्तमान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नरौल में ड्यूटी कर रही हैं ।सूचना पर पहुंची भिंड पुलिस ने पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर बुधवार देर शाम शव परिजनों को सौंप दिया। शिवराज सिंह अपने पिता रमौतार पाल के सबसे बड़े पुत्र थे। उनके छोटे भाई रघुराज और युवराज भी विवाहित हैं और पूरा परिवार संयुक्त रूप से रहता है ।मृतक के परिवार में पत्नी मालती बघेल, दो पुत्र आयुष (13 वर्ष), पीयूष (11 वर्ष) और छह वर्षीय पुत्री नैन्सी हैं। पिता की अर्थी को 13 वर्षीय आयुष द्वारा मुखाग्नि दिए जाने का दृश्य देख गांव में मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। हादसे के बाद गांव में शोक का माहौल है।

मकान के आगे बन रहे अवैध पक्के निर्माण को ईओ के निर्देश पर पालिका ने हटवाया

(यंग भारत न्यूज)

कोंच मकान के आगे चल रहे अवैध पक्के निर्माण कार्य को ईओ के निर्देश पर नगर पालिका व पुलिस टीम ने सख्ती के साथ हटवा दिया। इस अभियान के तहत नगर क्षेत्र के मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। पुलिस विभाग और नगर पालिका की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की। नगरपालिका की अधिशाषी अधिकारी मोनिका उमराव को सूचना मिली कि मुहल्ला प्रताप नगर में वेदी अग्रवाल अपने मकान के आगे रपटा डाल कर अवैध रूप से पक्का निर्माण कार्य कर रहे हैं। जिस पर अधिशासी अधिकारी के निर्देश पर पालिका कर्मचारी जीवन और शहजाद कोतवाली पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और अतिक्रमण हटवाया। अतिक्रमण करने वाले मकान मालिक को चेताया गया कि दोवारा अतिक्रमण किया तो जुर्माना के साथ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिशासी अधिकारी ने बताया कि नगर पालिका और पुलिस विभाग का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सौतेले पिता ने कर दिया बेटी के साथ बलात्कार, मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई । कालपी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में 13 वर्षीय किशोरी के साथ उसके सौतेले पिता द्वारा दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। किशोरी ने घटना की जानकारी अपनी मां को दी, जिसके बाद मां ने कालपी कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, महिला के पहले पति की मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद उसने दूसरी शादी की थी। आरोप है कि उसका दूसरा पति किशोरी को अपनी बेटी के रूप में स्वीकार नहीं करता था। महिला के मुताबिक, रात में आरोपी ने किशोरी के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। घटना के बाद किशोरी को पेट में दर्द होने लगा और वह रोने लगी। बेटी को परेशान देखकर मां ने कारण पूछा, तब किशोरी ने पूरी घटना की जानकारी दी।

मां ने पहुंचकर पुलिस को दी तहरीर

किशोरी की बात सुनकर मां के होश उड़ गए। वह तत्काल कालपी कोतवाली पहुंची और पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मेडिकल जांच और साक्ष्यों की पड़ताल

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के अनुसार, किशोरी की मां की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। किशोरी को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस घटना से जुड़े अन्य तथ्यों और साक्ष्यों की जांच कर रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विधवा की हत्या और साक्ष्य मिटाने के मामले में आरोपी को उम्रकैद, 42 हजार रुपये का अर्थदंड

(यंग भारत न्यूज)

उरई । चुर्खी थाना क्षेत्र में वर्ष 2019 में मानसिक रूप से अस्वस्थ विधवा महिला के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या और साक्ष्य मिटाने के लिए बाड़े में आग लगाने के मामले में अदालत ने आरोपी राजेश शाहू को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर कुल 42 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड अदा न करने पर उसे 13 माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले के अनुसार, चुर्खी कस्बा निवासी तत्कालीन अध्यापक वैभव विभावर्मा ने 28 दिसंबर 2019 को पुलिस को तहरीर दी थी। उन्होंने बताया था कि 25 दिसंबर की रात करीब 1:30 बजे उनके बाड़े में अचानक आग लग गई। आग की चपेट में आने से उनकी रिश्ते की विधवा चाची मीना की मौत हो गई थी। मीना मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और लंबे समय से बाड़े में रह रही थीं। घटना के बाद आसपास के लोगों से पूछताछ में मामला संदिग्ध प्रतीत हुआ। आशंका जताई गई कि किसी व्यक्ति ने महिला के साथ मारपीट कर उसकी हत्या की और शव को बाड़े में बने कमरे से लगी टीनशेड के नीचे छोड़ दिया। इसके बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से कमरे में आग लगा दी गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस ने राजेश शाहू को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म किया था। महिला द्वारा विरोध किए जाने पर आरोपी ने उसका गला घोंटकर हत्या कर दी और घटना के साक्ष्य मिटाने के लिए बाड़े में आग लगा दी ।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। विवेचना पूरी होने के बाद आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया गया ।मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने गवाहों के बयान, दस्तावेजी साक्ष्य और अन्य प्रमाण अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अपर जिला जज प्रथम सतीश चंद्र द्विवेदी की अदालत ने राजेश शाहू को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत के फैसले को अभियोजन पक्ष ने पीड़िता को न्याय दिलाने वाला महत्वपूर्ण निर्णय बताया।

माधौगढ़ में खूँखार हो उठे बंदर, 9 वर्षीय बच्चे को काटकर किया लहूलुहान

जिम्मेदार अधिकारी बैठे हैं मुँह बांधकर

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन)। नगर क्षेत्र में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बंदरों के झुंड आए दिन लोगों पर हमला कर रहे हैं, जिससे नगरवासियों में भय का माहौल बना हुआ है। बुधवार शाम मालवीय नगर निवासी विवेक कुमार गुप्ता के 9 वर्षीय पुत्र दीपांश गुप्ता पर एक बंदर ने हमला कर दिया। बंदर ने बच्चे के गले पर काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक नगर के विभिन्न मोहल्लों में बंदरों के झुंड लगातार घूमते रहते हैं। ये बंदर घरों की छतों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर पहुंचकर लोगों को परेशान करने के साथ ही अचानक हमला भी कर देते हैं। विशेष रूप से बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग इनके हमलों का आसान निशाना बन रहे हैं। बंदरों के बढ़ते आतंक के कारण अभिभावक अपने बच्चों को अकेले घर से बाहर भेजने में भी डरने लगे हैं ।नगरवासियों का कहना है कि बंदरों की समस्या काफी समय से बनी हुई है, लेकिन अब स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। कई बार बंदर लोगों का पीछा कर उन्हें घायल कर चुके हैं। इसके बावजूद समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं ।लोगों ने संबंधित विभाग और नगर प्रशासन से मांग की है कि बंदरों को पकड़ने के लिए शीघ्र अभियान चलाया जाए तथा उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था की जाए। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई कर बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

कम हुआ सड़क निर्माण का बजट, अब 1 करोड़ 90 लाख में बनेगी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच पिछले कई सालों से जर्जर हालत में लोगों को हडा देने वाली सड़क तमाम तकनीकी दिक्कतों को पार करते हुए अब जाकर निर्माण के करीब पहुंची है ।बता दे पहाड़गांव चुंगी तिराहे से संतोषी माता मंदिर होते हुए दशहरा मैदान तक जाने वाली जीर्ण सीर्ण सड़क के निर्माण के लिए विधायक मूलचंद्र निरंजन मई माह में भूमिपूजन कर चुके थे लेकिन काम शुरू नहीं हो सका था। अब शासन से इसका रिवाइज्ड बजट मंजूर हो चुका है जिसके मुताबिक इसके निर्माण पर अब 1 करोड़ 90 लाख रुपए खर्च होंगे ।पहाड़गांव चुंगी तिराहे से संतोषी माता मंदिर महंतनगर तिराहे तक और कांशीराम कॉलोनी से पीछे-पीछे धनुतालाब दशहरा मेला ग्राउंड तक जर्जर पड़ी सड़क के निर्माण को लेकर मई के महीने में विधायक मूलचंद्र निरंजन ने भूमिपूजन जरूर कर दिया था लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण निर्माण कार्य का शुभारंभ नहीं हो सका था। उस वक्त इसके निर्माण पर करीब 3 करोड़ 70 लाख रुपए खर्च होने थे लेकिन 2.40 किलोमीटर लंबी और साढ़े पांच मीटर चौड़ी बनने वाली इस सड़क में बजट को लेकर पेंच फंस गया और दोबारा से रिवाइज्ड बजट शासन में मंजूरी के लिए भेजना पड़ा जो अब मंजूर हो चुका है। रिवाइज्ड बजट 2 करोड़ 23 लाख 65 हजार 348 से 15 प्रतिशत कम यानी 1 करोड़ 90 लाख 10 हजार 546 की निविदा मेसर्स सत्यम एसोसिएट्स के नाम हुई है। सड़क निर्माण के दौरान बिजली के पोल, केबल और पानी की पाइप लाइन शिफ्ट कराने का काम भी किया जाएगा। जिसके लिए पहले बिजली विभाग को 65 लाख व जल संस्थान को 25 लाख यानी कुल 90 लाख रुपए का प्रावधान किया गया था जिसे अब बढ़ा कर 1 करोड़ 10 लाख किया गया है। इसी स्वीकृत बजट में से दिया जा रहा है। विभागीय सूत्रों की अगर मानें तो जल्द ही अनुबंध कराकर काम शुरू कराया जाएगा।

जो जिम्मेदारी मिली उसका बखूबी निर्वहन करे-सीओ

सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज, सरस्वती शिशु मंदिर मे कन्या भारती, शिशु भारती का शपथ ग्रहण सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सरस्वती बालिका विद्या मंदिर इंटर कालेज मंडी, सरस्वती शिशु मंदिर, शिशु वाटिका मंडी मे छात्राओ द्वारा चयनित कन्या भारती, शिशु भारती का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ ।कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के अध्यक्ष आरवी मिश्र ने की जब कि मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद मौजूद रहे ।विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्यालय के प्रबंधक नरसिंह गहरवार, प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा मंचस्थ रही। मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित सीओ परमेश्वर प्रसाद ने सभी चयनित छात्र,छात्राओ को शुभकामनायें दी और कहा कि छात्र छात्राओ को अपने दायित्व का निर्वाहन बहुत ही ईमानदारी से करना है यही जीवन के अनुशासन का प्रथम पायदान है ।चयनित कन्या भारती, शिशु भारती मे संरक्षक प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा, संयोजक, प्रभारी रंजना श्रोती, सुनील पाठक के साथ कन्या भारती अध्यक्ष नियति यादव, उपाध्यक्ष राखी गुप्ता, मंत्री जयशिखा, सहमंत्री आनुम, सेनापति माही कुशवाहा, उपसेनापति समृद्धि सोनी, कोषाध्यक्ष आयुषी गुबरेले, भोजन प्रमुख आयुषी राठौर, जल प्रमुख पलक कुशवाहा, विधुत प्रमुख पलक सक्सेना, सज्जा प्रमुख अनन्या पटेल, अनुशासन प्रमुख रौनक, सांस्कृतिक प्रमुख वंशिका याज्ञिक एवं शिशु भारती मे प्रधानमंत्री निखिल चतुर्वेदी, मंत्री अनिका त्रिपाठी, उपमंत्री महिमा राठौर, सेनापति रचित कुशवाहा, उपसेनापति अभिनव बुंदेला, वंदना प्रमुख वैष्णवी, चिकित्सा प्रमुख खुशी, कोषाध्यक्ष सृष्टि गुप्ता, उद्यान प्रमुख गोविन्द, सज्जा प्रियल, अतिथि प्रमुख गोपाल जी, विद्युत प्रमुख गोरवी को अपने दायित्व की शपथ दिलवाई ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी नरेंद्र सिंह, विवेक तिवारी सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा ।कार्यक्रम केअंत मे प्रधानाचार्या अर्चना वर्मा ने उपस्थित अतिथिओ का आभार व्यक्त किया।

इमरजेंसी में डॉक्टर नदारद, अधीक्षक के निजी क्लीनिक को लेकर भी उठे सवाल

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माधौगढ़ में बुधवार शाम इमरजेंसी के दौरान चिकित्सकीय व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हुए। शाम के समय अस्पताल में मरीजों की भीड़ मौजूद थी, लेकिन मौके पर इमरजेंसी में चिकित्सक दिखाई नहीं दिए। मरीजों और तीमारदारों को उपचार के लिए परेशान होना पड़ा।

मौके पर जानकारी करने पर डॉ. विनय कुमार पांडे की इमरजेंसी ड्यूटी होने की बात बताई गई, लेकिन मौके पर उनकी मौजूदगी नहीं मिली। ऐसे में सवाल उठता है कि इमरजेंसी के समय यदि किसी मरीज की हालत अचानक गंभीर हो जाए तो उसे तत्काल चिकित्सकीय सुविधा कैसे मिलेगी ।इसी दौरान मौके पर एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। स्थानीय स्तर पर बताया गया कि सीएचसी के अधीक्षक डॉ. मनीष कुमार द्वारा निजी क्लीनिक में मरीज देखे जाने की बात सामने आई है। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक रूप से स्थिति स्पष्ट होना अभी बाकी है। यदि सरकारी ड्यूटी के समय निजी प्रैक्टिस की पुष्टि होती है तो यह जांच का विषय बन सकता है ।माधौगढ़ स्वास्थ्य केंद्र में दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में इमरजेंसी के समय चिकित्सकों की उपलब्धता बेहद महत्वपूर्ण है ।अब सवाल यह है कि क्या स्वास्थ्य विभाग पूरे मामले की जांच करेगा ? क्या ड्यूटी के समय चिकित्सक की गैरमौजूदगी और अधीक्षक के निजी क्लीनिक से जुड़े आरोपों की जांच होगी ?मरीजों और क्षेत्रवासियों को अब जिम्मेदार अधिकारियों की कार्रवाई का इंतजार है। देखना होगा कि विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए क्या कदम उठाता है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में किसान की मौत

(यंग भारत न्यूज)

उरई । गोहन थाना क्षेत्र में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह हुए सड़क हादसे में बाइक सवार किसान की मौत हो गई। हादसा बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी गिल से टकराने के कारण हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि किसान गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया ।मृतक की पहचान भिंड जिले के लहार थाना क्षेत्र स्थित रावतपुरा सरकार निवासी 40 वर्षीय जागेश उर्फ टिंकू के रूप में हुई है। जागेश खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया गया कि गुरुवार सुबह वह अपने घर से बाइक पर सवार होकर नदीगांव जाने के लिए निकले थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगी गिल से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में जागेश को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई ।सूचना मिलते ही गोहन थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने घायल अवस्था में पड़े जागेश को देखा, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया।

पूर्व सैनिकों में देहदान का जज्बा देख अभिभूत हो गया सभा मंडल

-देहदान का संकल्प लेकर पूर्व सैनिकों ने पेश की राष्ट्रसेवा की अनूठी मिसाल

-राजकीय मेडिकल कॉलेज में सामूहिक देहदान कार्यक्रम, 16 लोगों ने स्वेच्छा से भरे संकल्प पत्र

-प्रधानाचार्य बोले- पूरे सेवाकाल में इतनी बड़ी संख्या में सामूहिक देहदान पहली बार, ऐतिहासिक रहा पल

-कैप्टन अखिलेश नगायच बोले- सेना में भर्ती के दिन ही शरीर राष्ट्र को किया था समर्पित

-शहीदों की वीरांगनाओं को शाल और श्रीफल देकर किया गया सम्मान, समाजसेवी व पूर्व सैनिक रहे मौजूद

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज, उरई में गुरुवार को पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से देहदान संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों ने स्वेच्छा से देहदान का संकल्प लेकर मानव सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। सभी देहदानियों को देहदान की शपथ दिलाई गई। इसके बाद सभी ने अपने संकल्प पत्र मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी को सौंपे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी कुमुदेंद्र कलाकर सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार और लेफ्टिनेंट कमांडर सत्येंद्र सिंह राजावत मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने कहा कि उनके पूरे सेवाकाल में इतनी बड़ी

संख्या में लोगों द्वारा सामूहिक रूप से स्वेच्छा से देहदान का संकल्प लेने का अवसर कभी नहीं आया। उन्होंने इस पल को ऐतिहासिक बताते हुए पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि देहदान का निर्णय केवल शरीर दान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान में योगदान देने का संकल्प है। मेडिकल विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना समझने और चिकित्सा अनुसंधान को आगे बढ़ाने में देहदान से महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है।

शहीदों की वीरांगनाओं का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में जिले के शहीदों की वीरांगनाओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद त्रिवेदी ने वीरांगनाओं को शाल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों ने शहीद परिवारों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र पाटकर मृदुल ने किया।

'सेना में गए तो शरीर राष्ट्र को समर्पित कर दिया था'

एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक कैप्टन अखिलेश नगायच ने कहा कि जिस दिन हम लोग सेना में गए थे, उसी दिन सैनिकों ने अपने शरीर को राष्ट्र को समर्पित कर दिया था। अब हम चाहते हैं कि मृत्यु के बाद भी हमारा शरीर देश और समाज के काम आए। उन्होंने कहा कि देहदान से मानव शरीर पर शोध होगा, नए डॉक्टरों को सीखने का अवसर मिलेगा और भविष्य में लोगों का जीवन बचाने में इसका योगदान हो सकेगा। उन्होंने कहा कि सैनिकों ने अपने सेवाकाल में देश की रक्षा की और अब जीवन के अंतिम पड़ाव के बाद भी समाज के लिए कुछ करने की इच्छा से देहदान का संकल्प लिया है। यह पहल अन्य लोगों को भी मानव सेवा के लिए प्रेरित करेगी।

इन लोगों ने किया स्वेच्छा से देहदान का संकल्प

कैप्टन अखिलेश नगायच — ग्राम छिरिया सलेमपुर, जिला जालौन — प्रदेश संयोजक, पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन।

हवलदार संतराम तिवारी — अकबरपुर इटोरा, कदौरा।

हवलदार जगराम प्रजापति — भदरेखी।

हवलदार रामनारायण चतुर्वेदी — मंगराया।

कैप्टन छेदा सिंह — सरसेला।

हवलदार गोविंद सिंह कुशवाहा — सिकरी राजा।

हवलदार रामशरण शर्मा — ईगुई।

हवलदार शिरोमणि कुमार — कोंच।

हवलदार मुनेश कुमार राठौर — सिहारी, माधौगढ़।

राम भूषण उदैनिया — जुगराजपुरा, रेंडर — जिला अध्यक्ष, अखिल भारत हिंदू महासभा।

जुझार सिंह राजपूत — ऐर।

पिंटू बाथम — जालौन।

विवेक सिंह यादव — जालौन।

मिस संगीता स्वर्णकार — उरई।

पुष्पेंद्र सिंह राजपूत — ऐर।

लक्ष्मण दास बाबानी — उरई

बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक रहे मौजूद

कार्यक्रम में एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूबेदार उदयपाल सिंह, संगठन सचिव एवं प्रवक्ता नायब सूबेदार दिनेश निगम, हवलदार अनिल सिंह पूरवा समेत बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक उपस्थित रहे। जिले के समाजसेवी और पत्रकार भी इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के साक्षी बने। कार्यक्रम में देहदान करने वाले लोगों के परिजनों और उपस्थित लोगों ने इस पहल को मानवता और राष्ट्रसेवा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताया। सामूहिक रूप से लिया गया देहदान का संकल्प चिकित्सा शिक्षा, शोध और समाजसेवा के क्षेत्र में नई प्रेरणा देने वाला रहा।

ट्रेन में प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला को आरपीएफ ने पहुंचाया अस्पताल

(यंग भारत न्यूज)

उरई। गुरुवार को ट्रेन संख्या 12107 के ए-1 कोच में सफर कर रही महिला यात्री को अचानक प्रसव पीड़ा होने की सूचना मिलने पर रेलवे प्रशासन और आरपीएफ ने तत्परता दिखाई। डीएससीआर झांसी से सूचना प्राप्त होते ही उरई रेलवे स्टेशन पर महिला यात्री की मदद के लिए तत्काल टीम सक्रिय हो गई।

सूचना के अनुपालन में प्रधान आरक्षक राजेंद्र कुमार श्रीवास और महिला कांस्टेबल राखी देवी ने ट्रेन के उरई स्टेशन पहुंचने पर रेलवे चिकित्सालय उरई के नर्सिंग अधीक्षक अभिषेक उपाध्याय तथा स्टेशन पॉइंट्समैन प्रकाश के साथ ए-1 कोच में पहुंचकर महिला यात्री को अटेंड किया। कोच में देवी कुमारी, पत्नी अमित कुमार गौड़, प्रसव पीड़ा से परेशान मिलीं। स्थिति को देखते हुए महिला को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की गई। 108 एंबुलेंस संख्या क्क2स्नत2392 मौके पर पहुंची। ईएमटी सुषमा और चालक शिव सिंह ने महिला यात्री देवी कुमारी तथा उनके पति अमित कुमार गौड़ को एंबुलेंस से महिला जिला चिकित्सालय, उरई, जालौन पहुंचाया। आरपीएफ कर्मियों, रेलवे चिकित्सालय के कर्मचारी और स्टेशन स्टाफ की तत्परता से महिला यात्री को समय पर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सकी। महिला को उपचार के लिए जिला महिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

स्वतंत्रता दिवस को लेकर खाद्य विभाग का अभियान, नौ खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

(यंग भारत न्यूज)

उरई। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने जिले के विभिन्न बाजारों में जांच अभियान चलाया। सहायक आयुक्त खाद्य डा. सी.आर. प्रजापति के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार राय के नेतृत्व में टीम ने कई प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए।

कालपी तहसील के कदौरा बस स्टैंड स्थित मां दुर्गा स्वीट्स हाउस से बूंदी के लड्डू और हरिओम स्वीट से जलेबी का नमूना लिया गया। न्यामतपुर चौराहा स्थित जीतेन्द्र कुमार व राकेश कुमार के प्रतिष्ठानों से बूंदी के लड्डू के नमूने संग्रहित किए गए। कस्बा चुर्खी में युगल किशोर के प्रतिष्ठान से बूंदी तथा आटा कस्बे में महेश चन्द्र के प्रतिष्ठान से समोसे का नमूना लिया गया। उरई नगर में अंबेडकर चौराहा स्थित राजू जलेबी से जलेबी व दही तथा अड्डा मंदिर स्थित भैरव स्वीट्स से बूंदी के लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। फूड सेफ्टी वैन के माध्यम से आमजन और खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों में मिलावट से बचाव तथा अखाद्य रंगों का प्रयोग न करने के प्रति जागरूक किया गया। दो प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई संतोषजनक न मिलने पर सुधार नोटिस जारी किए जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट में दोषी पाए जाने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के तहत कार्रवाई होगी। खाद्य सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कुमार कटियार, सुनील कुमार, कन्हैया लाल यादव और महेश प्रसाद शामिल रहे। विभाग ने बताया कि त्योहारों तक अभियान लगातार जारी रहेगा।

चोरों ने सूने घर को निशाना बनाया,तीन हजार की नकदी व चांदी के जेबरात उड़ाये

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर में लगातार चोरी और टप्पेबाजी की घटनाएं हो रही हैं। बुधवार की रात चोरों ने सूने घर को निशाना बनाकर घर में रखे लगभग तीन हजार रुपये नकद और चांदी के बिछिया चोरी कर लिए। चोरों ने घर के बगल में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास पूछतांछ की है। रेढ़र थाना क्षेत्र के ग्राम अनघौरा निवासी चंद्रवीर सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका एक मकान नगर के मोहल्ला तोपखाना में शिवानी गार्डन के पास बना हुआ है। वह कभी गांव में तो कभी जालौन में रहते हैं। लगभग एक सप्ताह पूर्व वह मकान में ताला डालकर अपने गांव अनघौरा चले गए थे। बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने रात में उनके घर का ताला तोड़ दिया और बक्से में रखे चांदी के पुराने बिछिया व पर्स में रखे लगभग 3000 रुपये चोरी कर लिए। सुबह मोहल्ले के लोगों ने घर का ताला टूटा देखा तो उन्हें जानकारी दी। जिसके बाद वह गांव से घर आए तो देखा उपरोक्त सामान चोरी हो गया था। चोरी की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास जानकारी की।

तिरंगे की गौरवशाली यात्रा से रूबरू हुए राज्य मंत्री

-टाउन हॉल में लगी प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ध्वज के विकास की ऐतिहासिक यात्रा का किया अवलोकन

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 डॉ0 अरूण कुमार, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक, बीजेपी जिलाध्यक्षा उर्विजा दीक्षित, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने फीता काटकर टाउन हॉल में लगी राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगा' के इतिहास एवं विकास पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता आंदोलन के दौर से लेकर स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के वर्तमान स्वरूप तक की गौरवशाली यात्रा को क्रमबद्ध रूप से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय ध्वज के प्रारंभिक स्वरूप से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों में सामने आए ध्वजों के स्वरूप तथा विदेश में भारतीय ध्वज फहराए जाने जैसी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को चित्रों एवं विवरणों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही होम रूल आंदोलन के दौरान प्रयुक्त ध्वज, राष्ट्रीय ध्वज के विभिन्न प्रारूपों तथा तिरंगे के स्वरूप को व्यापक स्वीकृति मिलने की ऐतिहासिक यात्रा को भी दर्शाया गया है। प्रदर्शनी में स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के वर्तमान स्वरूप को स्वीकार किए जाने की ऐतिहासिक घटना को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। तिरंगे के केसरिया, सफेद और हरे रंग के साथ मध्य में अंकित अशोक चक्र के महत्व को भी विस्तार से दर्शाया गया है। तिरंगे का प्रत्येक रंग और अशोक चक्र देश की स्वतंत्रता, शांति, विकास, कर्तव्य और निरंतर प्रगति का संदेश देता है। मा0 राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ. प्र. डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की स्वतंत्रता, संघर्ष, बलिदान, एकता और गौरव का प्रतीक है। तिरंगे के स्वरूप में समय के साथ हुए बदलावों की यह यात्रा देश के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण की गौरवगाथा को भी सामने लाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां नई पीढ़ी को राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास, उसके महत्व और उससे जुड़े गौरवशाली अध्यायों से परिचित कराने का प्रभावी माध्यम हैं। इससे नागरिकों, विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम तथा राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना और अधिक मजबूत होगी।

तिरंगे से सजे डाक टिकटों और सिक्कों में दिखी आजादी की गौरवगाथा

टाउनहाल में तिरंगा युक्त डाक सामग्री एवं मुद्रा प्रदर्शनी का शुभारंभ, दुर्लभ पोस्टकार्ड और ऐतिहासिक सिक्के बने आकर्षण

(यंग भारत न्यूज)

उरई। घर-घर तिरंगा राष्ट्रीय अभियान के अंतर्गत इण्टैक उरई अध्याय की ओर से टाउनहाल में तिरंगा युक्त डाक सामग्री एवं मुद्रा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारंभ मां वीणापाणिनी की प्रतिमा के समक्ष उत्तर प्रदेश सरकार के वन मंत्री श्री सक्सेना ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रदर्शनी में देश की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रभक्ति से जुड़ी दुर्लभ डाक सामग्री तथा ऐतिहासिक मुद्राओं को प्रदर्शित किया गया, जिन्हें देखने के लिए नगर के बुद्धिजीवियों, इतिहास प्रेमियों और विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की भीड़ पहुंची।

प्रदर्शनी में भारतीय डाक विभाग द्वारा अलग-अलग समय में जारी किए गए विभिन्न डाक टिकटों और पोस्टल स्टेशनरी को प्रमुखता से स्थान दिया गया। स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले सेनानियों की स्मृति में जारी टिकटों के साथ भारतीय सेना के जांबाज सैनिकों, विभिन्न देशों के साथ भारत की मैत्री और महात्मा गांधी के जीवन तथा उनके विभिन्न क्रियाकलापों से संबंधित तिरंगा युक्त डाक टिकट प्रदर्शित किए गए। प्रथम दिवस आवरण और मिनिएचर शीट भी प्रदर्शनी का हिस्सा रहे।

1947 का पोस्टकार्ड बना खास आकर्षण

प्रदर्शनी में वर्ष 1947 का जॉर्ज षष्टम का एक दुर्लभ पोस्टकार्ड विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस पोस्टकार्ड पर काले रंग की स्याही से तिरंगा युक्त निरस्तीकरण की छाप अंकित है। आजादी के दौर से जुड़ी इस डाक सामग्री को देखने में लोगों ने विशेष रुचि दिखाई।बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम्' के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जारी किया गया तिरंगा युक्त डाक टिकट और प्रथम दिवस आवरण भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। इसके अलावा 15 अगस्त 1947 को डाक विभाग द्वारा जारी किए गए 'जय हिंद' नारे से युक्त स्वतंत्र भारत के शुरुआती डाक टिकटों को भी प्रदर्शित किया गया।

गांधी से लेकर संसद और लालकिले तक तिरंगे की झलक

मुद्रा संग्रह में न्यू आइलैंड द्वारा वर्ष 2015 में जारी एक डॉलर मूल्य का पूर्ण रजत सिक्का भी प्रदर्शित किया गया। इस सिक्के पर महात्मा गांधी के चित्र के साथ तिरंगा अंकित है। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर जारी तिरंगा युक्त दो, पांच, दस और 20 रुपये मूल्य के सिक्कों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।प्रदर्शनी में 50 रुपये का वह नोट भी रखा गया, जिसके पिछले भाग पर संसद भवन के ऊपर लहराता हुआ तिरंगा दिखाई देता है। इसी तरह 500 रुपये के उस नोट को भी प्रदर्शित किया गया, जिसके पिछले भाग पर दिल्ली के लाल किले पर फहराता हुआ तिरंगा अंकित है।स्वतंत्रता की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर जारी विशेष दस रुपये और 50 पैसे के सिक्के भी प्रदर्शनी में शामिल रहे। इन सिक्कों पर एक युगल हाथ में तिरंगा लेकर आगे बढ़ता हुआ दिखाई देता है, जबकि पीछे संसद भवन का चित्र अंकित है।

प्रदर्शनी में प्रदर्शित समस्त डाक सामग्री और मुद्रा श्रीमती संध्या पुरवार एवं डॉ. हरिमोहन पुरवार के निजी संग्रह से प्रस्तुत की गई। प्रदर्शनी देखने पहुंचे लोगों ने कहा कि दुर्लभ डाक टिकटों और ऐतिहासिक मुद्राओं के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्र निर्माण और तिरंगे के गौरवशाली सफर को करीब से समझने का अवसर मिला। विभिन्न स्कूलों से पहुंचे बच्चों ने भी प्रदर्शनी में मौजूद ऐतिहासिक सामग्री को उत्सुकता से देखा और उसके बारे में जानकारी प्राप्त की।

लला, आटा मांगो तो बहू मारन दौड़ पड़ी'... थाने पहुंची वृद्धा

बुंदेली में सुनाया अपना दर्द, थाना प्रभारी ने पहले खिलाई रोटी फिर बहू को बुलाकर लगाई फटकार

(यंग भारत न्यूज)

एट (जालौन)।'**लला**, मोय भूख लगी थी। बहू से आटो मांगो तो गारी देन लगी, मारन की धमकी दे डारी। अब मोय रोटी तक नईं मिलत...।' बुंदेली में यह पीड़ा सुनाते हुए ग्राम सोमई की वृद्धा गिरजरानी गुरुवार को थाना एट पहुंचीं। उनकी बात सुनकर थाना प्रभारी शिवशंकर सिंह ने पहले उन्हें भोजन कराया और फिर पूरी शिकायत सुनी।

वृद्धा ने आरोप लगाया कि बेटे की मौत के बाद बहू उनकी जमीन पर कब्जा करने का प्रयास कर रही है और उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। वृद्धा का कहना था कि उन्हें खाने तक के लिए परेशान होना पड़ता है। उन्होंने बहू पर गाली-गलौज और मारपीट की धमकी देने का भी आरोप लगाया। वृद्धा की शिकायत पर थाना प्रभारी ने बहू मंजू को थाने बुलाया और उसे कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने चेतावनी दी कि वृद्धा के साथ मारपीट, गाली-गलौज या किसी तरह की प्रताड़ना की शिकायत दोबारा मिली तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना प्रभारी शिवशंकर सिंह ने वृद्धा को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और भोजन आदि की व्यवस्था में हरसंभव मदद की जाएगी। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। थाने में वृद्धा का बुंदेली में अपना दर्द बयां करना और पुलिस का संवेदनशील रवैया क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

दिशा दर्शन स्मार्ट स्कूल को मिला नया भवन, बढ़ेंगी शैक्षणिक सुविधाएं

मानस पाठ के बाद महंत शारदा महाराज व थाना प्रभारी ने किया उद्घाटन

(यंग भारत न्यूज)

एट (जालौन)। दिशा दर्शन स्मार्ट स्कूल एट में मानस पाठ के उपरांत नवीन भवन के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। सिद्धपीठ श्री बैरागढ़ धाम के महंत शारदा महाराज और थाना प्रभारी एट शिवशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर नवीन भवन का उद्घाटन किया।

समारोह में गुरु प्रसाद महंत (अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद), दादा रघुवीर महाते, डॉ. नरेंद्र निरंजन, सुधीर दीक्षित सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। उद्घाटन के दौरान विद्यालय परिसर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक माहौल रहा। प्रबंध समिति के डॉ. श्रीराम तिवारी, अभिषेक द्विवेदी (जोंटी सर), राहुल शुक्ला और प्रबंधिका नेहा द्विवेदी ने अतिथियों का स्वागत कर अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंटकर अभिनंदन किया। वक्ताओं ने कहा कि नवीन भवन के निर्माण से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं मिलेंगी। इससे विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को और मजबूती मिलेगी तथा विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर माहौल उपलब्ध होगा। समारोह में प्रधानाचार्य अनुराग त्रिपाठी, मोहित गोस्वामी, बालकृष्ण द्विवेदी, मकबूल अहमद, शिवम, शिक्षक अनुराग मिश्रा, गगन पटेल सहित विद्यालय की अध्यापिकाएं, छात्र-छात्राएं, अभिभावक और क्षेत्र के गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन सभी के मंगल एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

त्वरित आर्थिक विकास, क्रिटिकल गैप एवं आकांक्षात्मक विकासखंड की परियोजनाओं की डीएम ने की समीक्षा

- 31 त्वरित आर्थिक विकास कार्यों के सभी कार्य अक्टूबर तक पूर्ण कराने के निर्देश

- क्रिटिकल गैप के तहत मिगनी मैन रोड संपर्क मार्ग का कार्य पूर्ण

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं के अंतर्गत कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में त्वरित आर्थिक विकास योजना, क्रिटिकल गैप योजना तथा आकांक्षात्मक विकासखंड में पुरस्कृत धनराशि से कराए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण कराने के कड़े निर्देश दिए। त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान सीडीओ द्वारा अवगत कराया गया कि योजना के अंतर्गत कुल 31 निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से सभी कार्यों को प्रारंभ कराने की कार्रवाई की जा रही है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को अक्टूबर नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति की निगरानी करने तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। क्रिटिकल गैप योजना की समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्रामीण अभियंत्रण विभाग द्वारा मिगनी रोड से मिगनी मैन रोड तक संपर्क मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया गया है। संपर्क मार्ग के निर्माण से क्षेत्रीय ग्रामीणों को आवागमन में सुगमता मिलेगी तथा गांव की मुख्य मार्ग से संपर्क व्यवस्था और बेहतर होगी। बैठक में उरई-कानपुर मुख्य मार्ग से शाहजहांपुर की ओर जाने वाले मार्ग से संबंधित कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करते हुए कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा कराने के निर्देश दिए।सीडीओ द्वारा अवगत कराया गया कि आकांक्षात्मक विकासखंड रामपुरा एवं जालौन में विकास कार्यों की समीक्षा में बताया गया कि कुल 18 परियोजनाओं पर कार्य कराया जा रहा है। इनमें 05 कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 13 कार्य प्रगति पर हैं।जिलाधिकारी ने कहा कि आकांक्षात्मक विकासखंड में उपलब्ध संसाधनों एवं पुरस्कृत धनराशि का अधिकतम जनहितकारी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा, कृषि, सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए ग्रामीणों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रगति पर चल रहे सभी कार्यों की नियमित स्थलीय जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और उपयोगिता ही उनकी सफलता का वास्तविक पैमाना है। जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्वीकृत परियोजनाओं में लंबित प्रक्रियाओं को शीघ्र पूरा कराते हुए कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे

अभ्युदय योजना की निशुल्क कोचिंग में अचानक पहुंचे डीएम-एसपी, छात्रों के बीच बैठकर परखी तैयारी

डीएम ने कहा दृढ़, इच्छा शक्ति, आत्मजागरूकता और धैर्य सफलता के प्रमुख स्तंभ

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह गुरुवार को भ्रमण के दौरान दयानंद वैदिक कॉलेज पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत यूपीएससी एवं नीट जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को निशुल्क कोचिंग दी जा रही थी। अधिकारियों ने कक्षा में चल रही पढ़ाई को देखकर अचानक कक्षा में प्रवेश किया और विद्यार्थियों के पीछे कुर्सियों पर बैठकर काफी देर तक अध्यापन कार्य का अवलोकन किया। कुछ समय बाद जब छात्र-छात्राओं को जानकारी हुई कि जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक स्वयं उनकी कक्षा में बैठकर पढ़ाई देख रहे हैं तो सभी विद्यार्थी खड़े होकर उनका अभिवादन करते हुए 'गुड आफ्टरनून' बोले। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों के बीच सहज वातावरण में संवाद करते हुए उनकी तैयारी, पढ़ाई के तरीके और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर उनकी रणनीति के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी की प्रभावी रणनीति बताते हुए कहा कि प्रारंभिक तैयारी के दौरान सबसे पहले परीक्षा के पाठ्यक्रम, पात्रता मानदंड तथा पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों का सही ढंग से विश्लेषण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तैयारी की शुरुआत विश्वसनीय एवं मूल स्रोतों, विशेषकर एनसीईआरटी की पुस्तकों से की जाए और इसके बाद विषयवार मानक पुस्तकों का अध्ययन किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल पढ़ना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि अध्ययन के साथ निरंतर अभ्यास भी जरूरी है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए बिंदुवार संक्षिप्त नोट्स तैयार करने तथा मुख्य परीक्षा के लिए लेखन शैली विकसित करते हुए नियमित उत्तर लेखन का अभ्यास करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी विषय का अध्ययन करते समय उसके विभिन्न पहलुओं और बहुआयामी प्रभावों पर चिंतन-मनन करते हुए विषय को गहराई से समझने और आत्मसात करने का प्रयास किया जाना चाहिए। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि अखिल भारतीय स्तर की सर्वोच्च प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले अनेक विद्यार्थी सामान्य एवं साधारण परिवेश से आते हैं, लेकिन उनके प्रयास असाधारण होते हैं। उन्होंने कहा कि सफलता केवल संसाधनों पर निर्भर नहीं होती, बल्कि निरंतर मेहनत, अनुशासन और सही दिशा में किए गए प्रयास से हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि दृढ़ता, इच्छाशक्ति, आत्मजागरूकता और धैर्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के प्रमुख स्तंभ हैं। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर नियमित अध्ययन करने, समय का सदुपयोग करने और असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने भी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में निरंतरता और आत्मविश्वास बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर पूरी मेहनत और लगन से तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

तिरंगे की शान में झूम उठा उरई, कॉन्सर्ट से यात्रा तक दिखा देशभक्ति का जोश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों के बीच उरई में बुधवार और गुरुवार को देशभक्ति का माहौल चरम पर रहा। एक ओर मुक्ता काशी मंच पर आयोजित तिरंगा कॉन्सर्ट में स्कूली बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से राष्ट्रप्रेम की अलख जगाई तो दूसरी ओर गुरुवार को शहर की सड़कों पर निकली तिरंगा यात्रा में हजारों लोग हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर उमड़ पड़े। दोनों आयोजनों में देशभक्ति गीतों और भारत माता के जयघोष से वातावरण गूंजता रहा। मुक्ता काशी मंच पर आयोजित तिरंगा कॉन्सर्ट में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए दर्शकों का मन मोह लिया। नन्हे कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय, एएसपी डॉ. ईसान सोनी, एसडीएम उरई, ईओ राम अचल कुरील, बीएसए विकास चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, विधायक गौरीशंकर वर्मा, विधायक विनोद चतुर्वेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित और पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि विजय चौधरी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे। सड़कों पर दिखा तिरंगे का सैलाब हर घर तिरंगा अभियान के तहत गुरुवार को नगर पालिका परिषद उरई की ओर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। टाउन हॉल से शुरू हुई यात्रा भगत सिंह चौराहा और मौनी मंदिर होते हुए वापस टाउन हॉल पहुंची। हाथों में तिरंगा लिए हजारों लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोष लगाए। पूरे मार्ग पर देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला। यात्रा में प्रभारी जनपद नोडल अधिकारी एवं वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. घनश्याम अनुरागी, भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि विजय चौधरी, विधायक गौरीशंकर वर्मा, विधायक विनोद चतुर्वेदी समेत प्रशासनिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग शामिल हुए। दो दिनों के इन आयोजनों ने स्वतंत्रता दिवस से पहले उरई को पूरी तरह तिरंगे के रंग में रंग दिया। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लेकर सड़कों पर उमड़े जनसैलाब तक हर तरफ राष्ट्रप्रेम और उत्साह नजर आया।

मुकदमा दर्ज होने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं

पूर्व प्रधान ने एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। थाना चुर्खी क्षेत्र के ग्राम हथनौरा निवासी पूर्व प्रधान वीर सिंह पुत्र शिवनाथ सिंह ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज होने के बावजूद आरोपियों की गिरफ्तारी न होने तथा परिवार को जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप लगाया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार वीर सिंह ने बताया कि उनके साथ 19 जुलाई 2026 को एक घटना हुई थी, जिसके संबंध में थाना चुर्खी में 21 जुलाई 2026 को मुकदमा संख्या 0055/2026 दर्ज कराया गया। आरोप है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है और आरोपी पक्ष लगातार उन्हें तथा उनके परिवार को धमकियां दे रहा है। पीड़ित ने प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि नामजद आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उनके अनुसार आरोपियों के खिलाफ वर्ष 1990 से 2022 तक गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज रहे हैं, जिनमें डकैती, अपहरण, हत्या के प्रयास तथा एससी/एसटी एक्ट से संबंधित मामले शामिल हैं। वीर सिंह का कहना है कि आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं और परिवार के साथ कोई बड़ी घटना करने की फिराक में हैं। उन्होंने पुलिस अधीक्षक से आरोपियों के आपराधिक इतिहास को देखते हुए शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई करने तथा उनके और उनके परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र 13 अगस्त 2026 को पुलिस अधीक्षक जालौन को दिया गया है।

शहर नहीं, अब कपि वन होंगे बंदरों का ठिकाना

-फलदार वृक्षों से विकसित होंगे प्राकृतिक भोजन और आश्रय स्थल, मानव-वानर संघर्ष रोकने की डीएम की पहल

-- जनपद में लगभग 50 कपि वन/बजरंग वाटिकाएं विकसित करने का लक्ष्य

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नगरीय क्षेत्रों में बंदरों के बढ़ते आवागमन और मानव-वानर संघर्ष की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में जिला प्रशासन ने प्रकृति आधारित पहल को आगे बढ़ाया है। बंदरों को शहरों और आबादी वाले क्षेत्रों से दूर उनके प्राकृतिक परिवेश में ही पर्याप्त भोजन एवं सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूरे जनपद में लगभग 50 कपि वन/बजरंग वाटिकाएं विकसित की जाएंगी। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विकास भवन स्थित रानी लक्ष्मीबाई सभागार में कपि वन/बजरंग वाटिकाओं में कराए जा रहे पौधरोपण, पूर्व में लगाए गए पौधों की स्थिति एवं उनके संरक्षण की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कपि वन/बजरंग वाटिकाओं का उद्देश्य केवल पौधरोपण करना नहीं, बल्कि बंदरों के लिए ऐसा प्राकृतिक आवास तैयार करना है, जहां उन्हें पर्याप्त भोजन और सुरक्षित आश्रय मिल सके तथा भोजन की तलाश में उन्हें आबादी वाले क्षेत्रों की ओर न आना पड़े। इससे जहां मानव-वानर संघर्ष की घटनाओं में कमी आएगी, वहीं नगरीय क्षेत्रों के आसपास हरित क्षेत्र का विस्तार भी होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि नगरीय क्षेत्रों के समीप न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि में विकसित किए जा रहे कपि वन में बंदरों के लिए उपयोगी एवं फलदार प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाए। आम, जामुन, अमरूद, कटहल, बड़हल, बेल, गूलर और बेर जैसे फलदार वृक्षों का रोपण कर प्राकृतिक भोजन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि समय के साथ ये वाटिकाएं बंदरों के लिए प्राकृतिक भोजन और आश्रय का स्थायी केंद्र बन सकें। जिलाधिकारी ने पूर्व में लगाए गए पौधों की सर्वाइवल रेट को गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक पौधे के संरक्षण की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो पौधे जीवित हैं, उनके बेहतर विकास के लिए नियमित सिंचाई एवं देखभाल सुनिश्चित की जाए तथा मृत अथवा क्षतिग्रस्त पौधों के स्थान पर तत्काल नए पौधे लगाए जाएं। साथ ही कपि वन की सुरक्षा के लिए आवश्यक बाड़बंदी एवं अन्य संरक्षण उपाय प्रभावी रूप से किए जाएं। उन्होंने कहा कि पौधरोपण की सफलता केवल पौधे लगाने में नहीं, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने में है। इसलिए कपि वन/बजरंग वाटिकाओं में लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी की जाए और उनकी स्थिति का निरंतर अनुश्रवण किया जाए। प्रत्येक वाटिका को केवल एक परियोजना के रूप में नहीं, बल्कि सामुदायिक जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण के केंद्र के रूप में विकसित किया जाए।जिला प्रशासन द्वारा विकसित की जा रही इन वाटिकाओं के संरक्षण में जनभागीदारी को भी बढ़ावा दिया जाएगा। 'मेरी वाटिका, मेरी जिम्मेदारी' की भावना के साथ लोगों को इन हरित स्थलों के संरक्षण और पौधों की देखभाल से जोड़ा जाएगा, ताकि लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर भविष्य में घने वृक्षों का रूप ले सकें। लगभग 50 कपि वन/बजरंग वाटिकाओं के विकास की यह पहल जालौन में पर्यावरण संरक्षण, हरित क्षेत्र के विस्तार और मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। प्राकृतिक भोजन और आश्रय मिलने से बंदरों का आबादी वाले क्षेत्रों की ओर अनावश्यक आवागमन कम होगा और मानव-वानर संघर्ष को नियंत्रित करने के साथ-साथ प्रकृति और वन्यजीवों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में ठोस प्रयास को गति मिलेगी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह जादौन, जिला पंचायत राज अधिकारी राम अयोध्या प्रसाद आदि सहित सम्बंधित अधिकारी व जनप्रतिधि मौजूद रहे।

13 करोड़ की नवनिर्मित सदर तहसील में पार्किंग लापता

स्टाम्प विक्रेताओं और वकीलों के कब्जे से व्यवस्था प्रभावित

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला मुख्यालय उरई में करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित सदर तहसील परिसर में पार्किंग व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। आरोप है कि तहसील अधिकारियों की लापरवाही के चलते वाहन पार्किंग के लिए छोड़ी गई जगह पर स्टाम्प विक्रेताओं और वकीलों द्वारा कब्जा किए जाने से परिसर की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

जानकारी के अनुसार राजस्व विभाग के निर्माण मानचित्र में तहसील के प्रथम मुख्य द्वार के बगल में वाहन पार्किंग के लिए स्थान छोड़ा गया था। इसके आसपास बाउंड्रीवाल के किनारे वकीलों और स्टाम्प विक्रेताओं के बैठने की व्यवस्था निर्धारित की गई थी। आरोप है कि धीरे-धीरे वाहन पार्किंग वाले स्थान पर ही स्टाम्प विक्रेताओं और वकीलों ने अपना सामान व बैठने की व्यवस्था कर ली, जिससे पार्किंग का क्षेत्र लगातार सिमटता जा रहा है। पार्किंग की पर्याप्त जगह न होने के कारण अब तहसील परिसर के अंदर दोपहिया वाहनों की भरमार दिखाई देती है। इससे तहसील आने वाले ग्रामीणों और शहरी क्षेत्र के लोगों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने तहसील प्रशासन से मांग की है कि निर्माण मानचित्र के अनुसार वाहन पार्किंग की जगह को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए और परिसर में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के लोगों ने उपजिलाधिकारी सदर उत्तम कुमार तिवारी तथा सदर तहसीलदार मनोज कुमार से तहसील परिसर की व्यवस्था को सुदृढ़ कराने और पार्किंग की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

आवासीय विद्यालयों में सुविधाओं के विस्तार को मिली मंजूरी

विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण देने की दिशा में डीएम की पहल, आश्रम पद्धति विद्यालय बबीना व कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में होंगे महत्वपूर्ण विकास कार्य

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जनपद के आवासीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को और बेहतर सुविधाएं एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने विद्यालयों की आवश्यकताओं एवं भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विकास कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। इन कार्यों से विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार होने के साथ ही विद्यार्थियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा।

राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय बबीना में विद्यार्थियों की सुविधाओं को और सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न कार्य कराए जाएंगे। विद्यालय भवन की छतों की आवश्यक मरम्मत के साथ 5000 लीटर क्षमता की दो नवीन पानी की टंकियां स्थापित की जाएंगी, जिससे पेयजल व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके।

विद्यालय में विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए थ्री-फेज जनरेटर की व्यवस्था की जाएगी। विद्यार्थियों की सामूहिक शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियों के लिए बहुद्देशीय हाल की सुविधा विकसित की जाएगी। परिसर में जल एवं स्वच्छता प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए सीवर टैंक का नवीनीकरण तथा रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट स्थापित कराया जाएगा। पर्यावरण संरक्षण एवं वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्यालय में 5 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट भी स्थापित किया जाएगा। विद्यालय की विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए इसे वर्तमान गर्रही फीडर के स्थान पर कदौरा फीडर से जोड़ने की दिशा में भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने प्रस्तावित कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे तथा खनन अधिकारी को संबंधित कार्यों के आवश्यक प्राकलन तैयार कर स्वीकृतिनार्थ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं की सुविधा एवं विद्यालय परिसर के बेहतर विकास को ध्यान में रखते हुए भी कई महत्वपूर्ण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है। विद्यालय भवन तक पहुंचने वाले मार्ग को पक्का कराया जाएगा, जिससे छात्राओं का आवागमन वर्षभर सुगम एवं सुविधाजनक बना रहे।विद्यालय परिसर में आवश्यकता के अनुसार स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। उच्चीकृत भवन के मध्य स्थित खुले कच्चे परिसर में इंटरलॉकिंग कार्य कराया जाएगा, जिससे परिसर का बेहतर उपयोग हो सके और विद्यार्थियों को व्यवस्थित वातावरण मिल सके। जल संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल करते हुए विद्यालय परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित कराया जाएगा, जिससे वर्षाजल का समुचित संरक्षण एवं उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। इन विकास कार्यों से राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय बबीना एवं कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में शिक्षा के साथ पेयजल, ऊर्जा, प्रकाश, आवागमन, जल संरक्षण और अन्य आवश्यक सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ आधार मिलेगा।

होटल में पकड़ी गई 19 साल की खूबसूरत लड़की, पूछताछ में पुलिस के उड़े होश. 4 साल पहले किया.

(यंग भारत न्यूज)

सिरोही जिले में पुलिस की जांच के दौरान एक ऐसा मामला सामने आया, जिसने अधिकारियों को भी चौंका दिया. माउंट आबू के एक होटल में रह रही 19 वर्षीय युवती को पुलिस ने दस्तयाब किया है. शुरुआती पूछताछ में पुलिस के मुताबिक, युवती ने करीब चार साल पहले बिना वैध दस्तावेज भारत में प्रवेश करने की बात बताई है. पुलिस को उसके पास से बांग्लादेश का पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र भी मिला है. अब एजेंसियां उसके भारत आने के रास्ते, यहां रहने और स्थानीय संपर्कों से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं. यह कार्रवाई राजस्थान में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई. पुलिस की मानें तो, इस अभियान की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर की जा रही है.

पुलिस के मुताबिक माउंट आबू थाना पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक होटल में एक संदिग्ध विदेशी युवती ठहरी हुई है. सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने होटल कासिबा में कार्रवाई की और वहां से युवती को दस्तयाब कर लिया. पुलिस ने उसकी पहचान शीला अख्तर उर्फ उमा इस्लाम के रूप में बताई है. शुरुआती पूछताछ में उसने खुद को बांग्लादेश के बोंगुना जिले का निवासी बताया. पुलिस के अनुसार, युवती से पूछताछ के दौरान सामने आया कि वह करीब चार वर्ष पहले बिना वैध दस्तावेज के भारत में दाखिल हुई थी. हालांकि, पुलिस अब उसके इस दावे और भारत में प्रवेश से जुड़े सभी तथ्यों का सत्यापन कर रही है. जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि युवती भारत में किस रास्ते से आई, इतने समय के दौरान कहां-कहां रही और किन लोगों के संपर्क में थी. पुलिस के मुताबिक, युवती के पास से बांग्लादेश का पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र बरामद हुआ है. इन दस्तावेजों की जांच कर उसकी पहचान और नागरिकता से संबंधित जानकारी का सत्यापन किया जा रहा है. पूछताछ के बाद युवती को सिरोही स्थित सखी सेंटर भेजा गया. पुलिस ने आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों से संपर्क किया है. पुलिस के अनुसार, मामले में सीमा सुरक्षा बल, गृह विभाग और पश्चिम बंगाल की संबंधित खुफिया एजेंसियों से भी समन्वय किया जा रहा है. युवती को उसके देश वापस भेजने की प्रक्रिया नियमानुसार आगे बढ़ाई जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों और अन्य तथ्यों के सत्यापन के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी. पुलिस के मुताबिक सिरोही जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के अभियान के दौरान इससे पहले भी कार्रवाई हो चुकी है. पुलिस का दावा है कि जिले में तीन अन्य बांग्लादेशी महिलाओं को भी दस्तयाब किया गया था और उनके खिलाफ निष्कासन की प्रक्रिया पूरी की गई. फिलहाल पुलिस होटल, किराए के मकानों और अन्य संभावित स्थानों पर सत्यापन और निगरानी बढ़ा रही है. इस मामले में युवती के भारत आने से लेकर यहां रहने तक की परिस्थितियों की जांच जारी है.

मां रोशनी अपने प्रेमी उदित के साथ अंतरंग' पोजिशन में थी और बेटी ये सब देख चीख पड़ी! फिर हुआ बड़ा कांड.

(यंग भारत न्यूज)

लखनऊ। यूपी की राजधानीलखनऊसे एक डरा देने वाली घटना सामने आई है. यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए पति को रस्ते से हटाने की साज़िश रची. इस साजिश में आरोपी मां रोशनी ने अपनी ही 5 साल की बेटी को मौत के घाट उतार दिया और आरोप अपने पति शाहरुख पर मढ़ दिया.इस हत्याकांड में रोशनी के प्रेमी उदित ने भी उसका पूरा साथ दिया. बता दें कि शाहरुख और उदित के बीच 8 साल पुरानी दोस्ती थी.

पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूला है कि उन्होंने मासूम के पेट पर पहले पैर रखा और फिर मुंह पर रूमाल रख, उसका गला घोंट दिया. पहले लड़की की नाक से खून आना शुरू हुआ और फिर उसकी मौत हो गई. सामने आया है कि रोशनी की बेटी सायना ने मां और उसके प्रेमी उदित को संबंध बनाते हुए देख लिया था. बेटी की हत्या करने के बाद मां रोशनी और उसके प्रेमी उदित ने शव को पास में रखकर फिर शारीरिक संबंध बनाए. नशा किया और फिर खाना खाकर सो गए. ये पूरा मामला लखनऊ के लालबाग के खंदारी बाजार स्थिति अपार्टमेंट से सामने आया है. रोशनी ने बेटी की हत्या का आरोप शाहरुख पर लगाया और पुलिस को फोन किया. उसने बताया कि पति चार मंजिल ऊपर आ गया और बेटी को मार दिया. जांच में सामने आया है कि शाहरुख हाल ही में दुर्घटना का शिकार हुआ था और उसके पैर में काफी चोट थी. उसके पैर में रोड लगी हुई थी. उसे चलने में परेशानी हो रही थी. ऐसे में वह 4 मंजिल चढ़कर नहीं आ सकता और फिर दीवार फांदकर नहीं भाग सकता. इस पूरे मामले को लेकर डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया, पूछताछ में पता चला है कि बेटी को मारकर और पति को जेल भेजकर रोशनी और उदित साथ रहना चाहते थे. दोनों कुछ महीनों से बेटी की हत्या की साजिश रच रहे थे. फिर दोनों ने रविवार का दिन चुना. रविवार की रात उदित रोशनी के फ्लैट में आया. वह अपने साथ खाना, सिगरेट और नशे से संबंधित कई चीजें लेकर पहुंचा. दोनों ने रात में पहले शराब और सिगरेट पी. इसके बाद मासूम सायना की हत्या कर दी. हत्या के बाद दोनों ने नहाया. फिर खाना खाया और ड्राइंग रूम में सो गए थे. फिर योजना के तहत रोशनी ने पुलिस को फोन किया और पति पर बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया.

नौकरानी जैसी मेरी हालत बना रखी थी उसने', बारामती में पति को अधूरी कब्र में जिंदा दफनाने वाली पत्नी ने बताई वजह

(यंग भारत न्यूज)

महाराष्ट्र के बारामती से हैरान कर देने वाली कहानी सामने आई है। पत्नी शर्मिला ने अपने पति को जिंदा दफना दिया। इसके लिए पत्नी ने घर के बालकानी में कब्र बनवाई थी। टाइल्स लगाने आए मजदूरों को शक हुआ तो पूरे राज से पर्दा उठा है।

पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दरअसल, बारामती के एक पॉश सोसाइटी स्थित फ्लैट में प्रवीण जगताप और उनकी पत्नी शर्मिला जगताप रहती हैं। दोनों के बीच किसी बात को लेकर लंबे समय से अनबन चल रही थी। ऐसे में पत्नी ने रास्ते से अपने पति को हटाने का प्लान बनाया। दरअसल, शर्मिला जगताप फूल-पौधों की शौकीन थी। वह फ्लैट की बालकनी में बागवानी करती थी। उसने पति से कहा कि बालकनी के एक हिस्से में भी फूल लगाते हैं। पत्नी ने घर के बालकनी में इसके लिए कब्र जैसा एक चैंबर तैयार करवाया। घर में कब्र तैयार हो जाने के

बाद पत्नी शर्मिला ने पति प्रवीण को बेहोशी की दवा खिला दी। इसके बाद क्रिकेट बैट से हमला किया। उसे लगा कि प्रवीण की मौत हो गई है तो कब्र में जिंदा दफना दिया। साथ ही मिट्टी से ढक किया। प्रवीण ने चालाकी के साथ मजदूरों को बुलवाया। साथ ही उस पर टाइल्स लगाने के लिए कहा। टाइल्स लगाने के दौरान मजदूरों को शक हो गया। उन्हें चैंबर में कुछ गड़बड़ दिखा तो बारामती पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद पति की जान बची है। पुलिस ने शर्मिला जगताप को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही उसे जेल भेज दिया है। पति प्रवीण का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दोनों के दो बच्चे हैं। पुलिस आगे की जांच कर रही है। 41 वर्षीय प्रवीण जगताप एक प्राइवेट कंपनी में मैनेजर हैं। पुलिस ने कहा कि शर्मिला ने पूछताछ में बताया कि पति मेरे साथ मारपीट करता था। मुझे नौकरी भी नहीं करने दे रहा था। पुलिस ने कहा कि वह डिप्रेशन में थी। साथ ही आरोप लगाया है कि वह बच्चे के साथ मारपीट भी करता था। वह मुझे नौकरानी बना रखा था। गौरतलब है कि यह फैमिली बारामती के इंद्रप्रस्थ सोसाइटी में रहता था। घटना के बाद फ्लैट बंद है। पुलिस का कहना है कि परिवार के लोग पहले इसमें पुलिस केस नहीं चाहते थे। चार दिन बाद घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। इसके बाद हत्या की कोशिश में मामला दर्ज किया गया है।

13 साल की लड़ाई, एक बदला फैसला और पहली बार बोली पीड़िता; तरुण तेजपाल केस की पूरी कहानी

(यंग भारत न्यूज)

तेरह साल तक एक महिला ने अदालतों, पुलिस और कानूनी प्रक्रिया के बीच अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा गुजारा। 2013 में दर्ज हुआ मामला पहले गिरफ्तारी तक पहुंचा, फिर लंबी जांच और सुनवाई चली, 2021 में निचली अदालत से आरोपी को बरी किया गया और अब 2026 में बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने उसी मामले में तरुण तेजपाल को दोषी ठहराते हुए 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। इस लंबे सफर के बाद पीड़िता ने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपनी आपबीती साझा की है। उसने अपने बचपन में झेली घरेलू हिंसा और शोषण से लेकर 27 साल की उम्र में हुए यौन हमले और उसके बाद शुरू हुई कानूनी लड़ाई तक के अनुभव बताए हैं। उसकी बातों में सिर्फ एक मामले का दर्द नहीं, बल्कि उस डर की कहानी है जिसमें वह कहती है कि उसने पुरुष हिंसा को बहुत कम उम्र में समझना और उससे बचने के लिए खुद को सीमित करना सीख लिया था।यह वही मामला है जिसने एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय मीडिया और न्याय व्यवस्था का ध्यान खींचा। आरोपी उस समय देश की चर्चित पत्रिका 'तहलका' के प्रधान संपादक थे। मामला सामने आने के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, पुलिस जांच हुई, गिरफ्तारी हुई, अदालत में मुकदमा चला और फिर लंबी अपीलीय प्रक्रिया शुरू हुई। अब हाई कोर्ट के फैसले ने पांच साल पहले आए बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया है। पीड़िता ने अपनी आपबीती में अपने बचपन को याद करते हुए बताया कि घर में हिंसा उसके लिए कोई असामान्य घटना नहीं थी। पिता के गुस्से, गाली-गलौज और हिंसक व्यवहार ने उसके भीतर पुरुषों के गुस्से को पढ़ने और उससे बचने की आदत पैदा कर दी थी। उसके मुताबिक उसने बचपन में यौन शोषण भी झेला। उसने बताया कि इन अनुभवों ने उसके व्यक्तित्व पर गहरा असर डाला। वह टकराव से बचने लगी, पुरुषों के गुस्से को पहले से भांपकर उन्हें शांत करने की कोशिश करती और अपनी भावनाओं को दबाना सीख गई। यह विवरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह अपने जीवन की अलग-अलग हिंसक घटनाओं को किसी एक अलग-थलग घटना की तरह नहीं देखती, बल्कि उन्हें डर और असुरक्षा के लंबे अनुभव की कड़ियों के रूप में बयान करती है।27 साल की उम्र में जब उसके साथ वह घटना हुई जिसने 2013 में इस मुकदमे को जन्म दिया, तब तक वह पहले ही हिंसा के कई रूपों को देख चुकी थी। उसके मुताबिक उस घटना के बाद शुरू हुई कानूनी लड़ाई ने उस डर को खत्म नहीं किया, बल्कि उसे एक नए रूप में लंबे समय तक ढोना पड़ा। नवंबर 2013 में गोवा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में एक महिला पत्रकार के साथ यौन हमले के आरोप सामने आए। पीड़िता ने घटना की शिकायत की, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और तरुण तेजपाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई। गोवा पुलिस ने 30 नवंबर 2013 को तेजपाल को गिरफ्तार किया था। बाद में उन्हें जमानत मिल गई। जांच के दौरान पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक संदेशों, सीसीटीवी फुटेज और गवाहों समेत विभिन्न साक्ष्यों को जांच का हिस्सा बनाया तथा हजारों पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। मामला केवल आरोप लगाने और गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रहा। सात साल से ज्यादा समय तक चली सुनवाई के बाद 2021 में गोवा की निचली अदालत ने तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया। यह फैसला मामले की अंतिम कहानी नहीं बना, क्योंकि गोवा सरकार ने उस फैसले को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी।2021 का बरी करने वाला फैसला इस मुकदमे का सबसे बड़ा मोड़ था। निचली अदालत ने अभियोजन के साक्ष्यों को संदेह से परे दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं माना था। इसके बाद राज्य सरकार ने अपील दायर की और मामला फिर हाई कोर्ट पहुंच गया। यहीं से लगभग पांच साल की दूसरी कानूनी यात्रा शुरू हुई। हाई कोर्ट ने मामले में गवाहों, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, पीड़िता के बयान और निचली अदालत के निष्कर्षों पर विस्तृत विचार किया। इस प्रक्रिया के दौरान तेजपाल पक्ष ने अपनी ओर से बरी किए जाने के फैसले को सही ठहराने की कोशिश की, जबकि राज्य ने निचली अदालत के निष्कर्षों को चुनौती दी।6 अगस्त 2026 को बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने निचली अदालत का फैसला पलटते हुए तेजपाल को दोषी ठहरा दिया। इसके बाद अदालत ने उन्हें 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। मूल खबर में तरुण तेजपाल को भारतीय न्याय संहिता यानी बीएनएस की धाराओं के तहत सजा दिए जाने की बात कही गई है। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। घटना 2013 की है और मुकदमा भारतीय दंड संहिता यानी आईपीसी के तहत चला। इसलिए इस मामले में बीएनएस नहीं, बल्कि उस समय लागू आईपीसी की धाराएं लागू हुईं। मुकदमे में भारतीय दंड संहिता की धारा 376(2)(एफ), 376(2)(के), 354 समेत कई धाराओं में आरोप लगाए गए थे। हाई कोर्ट की दोषसिद्धि और सजा का आधार पुराने कानून के वही प्रावधान हैं। किसी पुराने मामले की कानूनी धाराओं को वर्तमान कानून के नाम से लिख देना पाठक को मामले की वास्तविक कानूनी स्थिति के बारे में भ्रमित कर सकता है। यह सुधार इसलिए भी जरूरी है क्योंकि 2023 में पारित नए आपराधिक कानून बाद में लागू हुए हैं। 2013 की घटना पर बाद के कानून को सीधे लागू मान लेना कानूनी रूप से गलत होगा। हाई कोर्ट ने तरुण तेजपाल को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। यह सजा बलात्कार से जुड़े गंभीर अपराधों के लिए दर्ज आईपीसी प्रावधानों के तहत दी गई है। अदालत ने निचली अदालत के बरी किए जाने के फैसले को पलटते हुए अभियोजन के मामले को दोषसिद्धि के स्तर तक स्वीकार किया। यहां एक और महत्वपूर्ण बात है। किसी व्यक्ति का हाई कोर्ट से दोषी ठहराया जाना न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण पड़ाव जरूर है, लेकिन भारतीय न्याय व्यवस्था में उच्चतर अदालत में अपील का अधिकार बना रहता है। इसलिए सजा को अंतिम और अपरिवर्तनीय न्यायिक निष्कर्ष बताना तब तक उचित नहीं होगा जब तक उपलब्ध अपीलीय रास्ते समाप्त न हो जाएं। फिलहाल कानूनी स्थिति यह है कि हाई कोर्ट ने दोषसिद्धि की है, 10 साल की सजा सुनाई है और आत्मसमर्पण के लिए दो सप्ताह की मोहलत दी है। किसी आपराधिक मामले को 13 साल तक अदालत में चलते देखना सिर्फ कानूनी आंकड़ा नहीं है। शिकायतकर्ता के लिए हर तारीख, हर बयान, हर अपील और हर फैसले का अपना मानसिक और सामाजिक असर हो सकता है। पीड़िता ने अपनी आपबीती में इसी लंबे इंतजार को रेखांकित किया है। उसका कहना है कि इतने वर्षों की कानूनी लड़ाई के बाद भी उसे डर से पूरी तरह राहत नहीं मिली और सुकून की नींद नहीं मिली। वह अपने बचपन की हिंसा और बाद की घटना को जोड़कर बताती है कि उसके लिए सुरक्षा की भावना कभी सहज नहीं रही।

छत्तीसगढ़: कर्ज चुकाने के चक्कर में छाप दिए 12.5 लाख के नकली नोट, गांधी जी देख वापस लेने वाले का ठनका माथा, ऐसे हुआ भंडाफोड़

(यंग भारत न्यूज)

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) जिले से एक दिलचस्प और सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक कर्जदार द्वारा उधार चुकाने के लिए नकली नोटों का इस्तेमाल करने का प्रयास भारी पड़ गया। इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने एक बड़े फर्जी करेंसी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 12.5 लाख रुपये की भारी-भरकम फेस वैल्यू वाले जाली नोट बरामद किए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी घुरवा राम को अपने लेनदार दिनेश कुमार यादव को कर्ज चुकाना था। इसके लिए उसने दिनेश कुमार यादव को 9 अगस्त को कवर्धा के पोंडी गांव बुलाया था। तयशुदा योजना के मुताबिक, घुरवा राम के साथी सतीश कुमार ने दिनेश को 500-500 रुपये के जाली नोटों से भरा एक बैग थमा दिया। जब दिनेश ने उन नोटों को ध्यान से देखा तो उसे गड़बड़ी का अहसास हुआ और वह तुरंत सतर्क हो गया। इसके बाद, अगले ही दिन यानी 10 अगस्त को दिनेश ने थाने पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत हरकत में आते हुए जाल बिछाया और जांच शुरू की। पूछताछ के दौरान आरोपी सतीश कुमार ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उसने बताया कि वह, घुरवा राम और उनका एक अन्य साथी रामप्रसाद मिलकर जुलाई महीने से ही नकली नोट छापने का अवैध धंधा चला रहे थे। ये लोग असली करेंसी नोटों को स्कैनर की मदद से स्कैन करते थे, फिर उनके रंगीन प्रिंट निकालकर बिल्कुल असली जैसे दिखने वाले नोटों को सही आकार में काटते थे। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित दबिश देकर तीनों आरोपियों को धर दबोचा और उनके पास से कुल 12.5 लाख रुपये के नकली नोट जब्त किए। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने अपने आर्थिक संकट या कर्ज से उबरने के लिए इस शॉर्टकट का रास्ता अपनाया था, लेकिन उनकी यह नासमझी उन्हें सीधे सलाखों के पीछे ले गई। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस रैकेट से जुड़े तार और कहां-कहां फैले हैं और क्या इन्होंने बाजार में पहले भी नकली नोट खपाए हैं।

अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में भर्ती की मांग को लेकर नेपाली युवाओं की रैली

(यंग भारत न्यूज)

नेपाल के पश्चिमी शहर पोखरा में बुधवार को नेपाली युवाओं भारतीय सेना के पूर्व सैनिकों के परिवारों ने रैली निकालकर मांग की कि नेपाली युवाओं को भारतीय सेना की अग्निवीर योजना के तहत अग्निवीर के रूप में भर्ती होने की अनुमति दी जाए. भारतीय सेना में गोरखा भर्ती वर्ष 2019 से रुकी हुई है. शुरुआत में यह प्रक्रिया कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित हुई थी. इसके बाद भारत द्वारा 2022 में अग्निवीर योजना शुरू किए जाने के बाद नेपाल ने नेपाली युवाओं की भर्ती पर रोक लगा दी. अग्निवीर योजना के तहत भर्ती होने वाले जवानों में से अधिकतम 25 प्रतिशत को चार वर्ष की सेवा के बाद स्थायी नियुक्ति दी जाती है.

बाकी 75 प्रतिशत जवानों को एकमुश्त राशि देकर सेवा से मुक्त कर दिया जाता है उन्हें पेंशन या अन्य दीर्घकालिक सेवा लाभ नहीं मिलते. नेपाल सरकार का तर्क है कि यह योजना भारत, नेपाल ब्रिटेन के बीच 1947 में हुए त्रिपक्षीय समझौते के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है, इसलिए नेपाली युवाओं की भारतीय सेना में भर्ती रोक दी गई. नेपाल में रोजगार के सीमित अवसरों के कारण अब भी कई युवा अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में शामिल होने के इच्छुक हैं. हालांकि, नेपाल सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने की अनुमति नहीं दी है. इसी मांग को लेकर नेपाली युवाओं के एक समूह ने पश्चिमी नेपाल के प्रमुख पर्यटन शहर पोखरा में रैली निकाली सरकार से अपना रुख बदलकर अग्निवीर योजना के तहत भर्ती की अनुमति देने की मांग की. यह प्रदर्शन इंडियन एक्स-सर्विसमेन गोरखा ब्रिगेड नेपाल के बैनर तले आयोजित किया गया था. इसमें पूर्व सैनिक, उनके परिवार के सदस्य विदेशी सेनाओं में भर्ती के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवा शामिल हुए. प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर अग्निवीर योजना के तहत नेपाली युवाओं की भर्ती दोबारा शुरू करने की मांग की. उनका कहना था

कि नेपाली युवाओं को खाड़ी देशों में रोजगार तलाशने के लिए मजबूर करने के बजाय भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल होने का अवसर दिया जाना चाहिए. सोशल मीडिया पर साझा की गई अपनी प्रमुख मांगों में उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया को तुरंत बहाल किया जाए, क्योंकि यह नेपाली युवाओं के रोजगार के अवसरों की सुरक्षा गोरखा सैनिकों की पहचान तथा परंपरा को बनाए रखने के लिए जरूरी है. प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि पूर्व सैनिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले अपने नाम में 'एक्स-सर्विसमेन' शब्द रखने वाले संगठनों के पंजीकरण पर रोक नहीं लगाई जानी चाहिए. उनका कहना था कि ऐसे संगठन पूर्व सैनिकों की गरिमा, अधिकारों हितों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं. पोखरा स्टेडियम से शुरू हुई यह रैली जिला प्रशासन कार्यालय तक पहुंची, जहां बड़ी संख्या में मौजूद लोगों की उपस्थिति में आयोजकों ने कास्की जिले के मुख्य जिला अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा.

एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलेगा ऑस्ट्रेलिया, आज से बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज

डार्विन

ऑस्ट्रेलिया गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैच की श्रृंखला से एक साल में 20 टेस्ट मैच खेलने के अपने व्यस्त कार्यक्रम की शुरुआत करेगा। इस मैच से 2003 के बाद टेस्ट क्रिकेट की ऑस्ट्रेलिया के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में वापसी भी होगी। बांग्लादेश का दो दशकों से अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का यह पहला टेस्ट दौरा है।

ऑस्ट्रेलिया का अगले 12 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। इस दौरान वह 20 टेस्ट मैच खेलेगा, जिसमें विश्व टेस्ट चैंपियन दक्षिण अफ्रीका, भारत और इंग्लैंड के दौरे भी शामिल हैं। अगर वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचता है तो इन मैच की संख्या 21 हो जाएगी।

दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी ऑस्ट्रेलिया की टीम

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगा। इसके बाद वह चार टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। ऑस्ट्रेलिया को इसके बाद भारत में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलनी है। वह मार्च में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में इंग्लैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगा, जो दोनों देशों के बीच टेस्ट मैचों की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद जून में शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की एशेज श्रृंखला के साथ उसके इस व्यस्त कार्यक्रम का समापन होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ खेलेंगे कमिंस-स्टार्क

लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण की धुरी रहे पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन फिर से एक साथ खेलते हुए दिखेंगे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों के चोटिल हो जाने के कारण पिछले कुछ समय से यह चारों एक साथ नहीं खेल पाए थे। हेजलवुड को तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड की जगह टीम में लिया गया है। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन और ब्यू वेबस्टर भी अंतिम एकादश में शामिल हैं।

बांग्लादेश की गेंदबाजी काफी कमजोर

दूसरी तरफ बांग्लादेश की गेंदबाजी काफी कमजोर है। नाहिद राणा, मुस्तफिजुर रहमान और शोरिफुल इस्लाम तीनों ही पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। शोरिफुल 22 से 26 अगस्त तक क्वींसलैंड के मैकाय में होने वाले दूसरे मैच में वापसी कर सकते हैं। बांग्लादेश का बल्लेबाजी क्रम भी चोटों से बुरी तरह प्रभावित हुआ है, अनुभवी मुशफिकुर रहीम उंगली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी की कमजोरी अभ्यास मैच में उजागर हो गई थी जब उसकी टीम केवल 54 रन पर सिमट गई थी।

खबर संक्षेप

डैनी ने प्रोफेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

नई दिल्ली। ससेक्स के ऑलराउंडर डैनी लैंब ने महज 30 साल की उम्र में प्रोफेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। लैंब ने गर्दन की गंभीर कारण यह फैसला लिया है। लैंब को इस सीजन की शुरुआत में गर्दन में डिस्क हर्नियेशन की समस्या हुई थी, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई। पिछले महीने दाएं हाथ के गेंदबाज की सर्जरी हुई थी, लेकिन उन्हें चोट के असर का सामना करना पड़ रहा था। आखिरकार, मेडिकल सलाह के बाद लैंब को खेल से दूर होने का फैसला लेना पड़ा। इसी के साथ डैनी लैंब के लगभग एक दशक लंबे करियर का अंत हो गया। इस दौरान लैंब ने लंकाशायर और ससेक्स दोनों का प्रतिनिधित्व किया और सभी फॉर्मेट में टीम के लिए अहम योगदान दिया।

खेल मंत्रालय का बड़ा फैसला, टेबल टेनिस फेडरेशन की मान्यता रद्द

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने बुधवार को भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) की मान्यता निलंबित कर दी और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से खेल के संचालन के लिए तदर्थ समिति गठित करने को कहा। मंत्रालय ने यह कदम टीटीएफआई में प्रशासनिक खामियों का हवाला देते हुए उठाया। मंत्रालय ने अपने आदेश में कहा कि इस साल की शुरुआत में जारी कारण बताओ नोटिस का 'संतोषजनक जवाब नहीं मिलने' के बाद समय पर चुनाव नहीं करा पाना टीटीएफआई की मान्यता निलंबित करने के कारणों में शामिल है। मंत्रालय के आदेश में कहा गया, 'अंतरराष्ट्रीय संस्था (आईटीटीएफ) के परामर्श से एक आंतरिक नियामक तंत्र बनाने के लिए आईओए उचित कदम उठाएगा, जिसमें तदर्थ समिति का गठन भी शामिल है।

खिलाड़ियों को खेलने दे आईजीपीएल : मिल्खा

नई दिल्ली। गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने कपिल देव के नेतृत्व वाली पीजीटीआई (भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर) से आग्रह किया है कि वह खिलाड़ियों को इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने से न रोके, क्योंकि उन्हें अच्छी कमाई करने और अपने खेल को निखारने का पूरा अधिकार है। जीव ने कहा कि वह समझते हैं कि प्रत्येक टूर के अपने नियम होते हैं, लेकिन एक बार जब कोई खिलाड़ी उस टूर के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर लेता है, तो उसे अन्य रास्ते तलाशने से नहीं रोका जाना चाहिए। भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर ने आईजीपीएल में खेलने वाले गोल्फरों को पीजीटीआई की प्रतियोगिताओं में खेलने से रोक दिया है।

मैं लड़ने की कोशिश कर रही थी : रायबाकिना

रायबाकिना ने मैच के बाद कहा, मैं बस लड़ने की कोशिश कर रही थी। मैच का पहला गेम बहुत मुश्किल था। मेरे सेट गवा दिया था, और फिर दूसरे में मैं बस स्कोर के करीब रहने की कोशिश कर रही थी, भले ही मैं हार रही थी। मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यह मैच जीता। रायबाकिना का सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से होगा।

कैनेडियन ओपन: सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से

रोमांचक मुकाबले में ओसाका को मात सेमीफाइनल में पहुंचीं एलेना रायबाकिना

एक सेट में पिछड़ने के बाद एलेना की वापसी

मॉन्ट्रियल

एलेना रायबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए नाओमी ओसाका को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कैनेडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई।

- सेमीफाइनल में मुकाबला अमेरिका की कोको गॉफ से

ओसाका ने पहले सेट की शुरुआत में ही अहम ब्रेक हासिल किया और मैच की अपनी पहली सर्विस गेम में रायबाकिना की सर्विस तोड़ दी। दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी के पास अगले ही गेम में वापसी करने का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक पॉइंट बचाए रखे। रायबाकिना ने बाकी सेट में कोई और ब्रेक पॉइंट नहीं लिया। ओसाका ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया।

रायबाकिना ने लगाया तीन एस

रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपना फॉर्म वापस पा लिया। अपने पहले तीन सर्विस गेम में से दो में ब्रेक होने के बावजूद, ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने खुद भी ब्रेक हासिल किए और टाइब्रेकर तक पहुंची जिसे उन्होंने जीत लिया। इसके बाद मैच तीसरे और निर्णायक सेट में पहुंचा। रोमांचक तीसरे सेट का टर्निंग पॉइंट तब आया जब रायबाकिना 3-2 से पीछे थी और ट्रिपल ब्रेक पॉइंट का सामना कर रही थी। 27 साल की रायबाकिना ने वापसी की, कुल चार ब्रेक पॉइंट बचाए और एक जरूरी होल्ड के साथ सारा मोमेंटम चुरा लिया। मैच के आगे बढ़ने के साथ ओसाका अपना आपा खोने लगीं, 4-3 से पीछे होने पर ब्रेक होने के बाद रायबाकिना ने मैच को अपने अंदाज में खत्म किया। उन्होंने तीन एस मारकर सेमीफाइनल में जगह पक्की की।

जोडार ने बनाई सेमीफाइनल में जगह, आर्थर फिल्स को दी मात

राफेल जोडार ने कैनेडियन ओपन में आर्थर फिल्स को 7-6 (5), 6-3 से हराकर अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाई। 19 साल के स्पेन के जोडार 2018 के बाद से कैनेडियन ओपन में पुरुषों के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले टीनेजर बन गए। जोडार ने साल की शुरुआत नंबर 165 की रैंकिंग से की थी। फ्रांसीसी खिलाड़ी पर अपनी जीत के साथ, वह लाइव रैंकिंग में नंबर 11 पर पहुंच गए। साल के अपने चौथे एटीपी टूर सेमीफाइनल (माराकेश, बार्सिलोना और वाशिंगटन के बाद) में पहुंचकर, जोडार ने एटीपी रैंकिंग के टॉप 10 में शानदार बढ़त हासिल करने की अपनी कोशिश जारी रखी। दूसरे नतीजों के आधार पर, वह कनाडा में खिताब जीतकर नंबर 9 तक पहुंच सकते हैं।

बेसलाइन प्ले से फिल्स पर बनाया दबाव

शुरू में दो गेम के रिवांग के बाद, जोडार ने एक ब्रेक पॉइंट बचाया, फिर 2-0 से ब्रेक किया। उन्होंने अपने रिटर्न और शानदार बेसलाइन प्ले से फिल्स पर लगातार दबाव बनाया। फिल्स ने 0-3 पर दो ब्रेक पॉइंट और फिर 1-4 पर तीन और ब्रेक पॉइंट बचाए। फिल्स के अगले गेम की शुरुआत जोडार को 28-शॉट की रैली में हराकर की। एक और लंबी रैली में दोनों ने लॉन्गकोर्ट फोरहैंड मारे, इससे पहले कि फिल्स फिर से जीत गए। सर्विस पर वापस आकर और 4-5, 30-0 पर सर्व करते हुए, बर्रिश फिल्स के लिए कठिन समय पर आ गई। लगभग एक घंटे के ब्रेक के बाद, खेल फिर से शुरू होने पर फिल्स 5-5 से बराबरी पर आ गए।

10 साल साथ रहने के बाद रोनाल्डो की जॉर्जिना से शादी

विवाह समारोह में रोनाल्डो के 5 बच्चे हुए शामिल

लिस्बन

पुर्तगाल के फुटबॉल स्टार का प्रतिनिधित्व करने वाली जनसंपर्क टीम ब्रंसविक ग्रुप ने रोनाल्डो और जॉर्जिना की शादी की घोषणा करते हुए इसे 'एक निजी और अंतरंग क्षण' बताया।

ब्रंसविक ग्रुप के अनुसार विवाह समारोह पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन के पास पश्चिमी पुर्तगाल के एक तटीय शहर कैस्केस में आयोजित किया गया था, जिसमें उनके 5 बच्चे शामिल थे। इस जोड़े ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी अंगूठियों की तस्वीर पोस्ट की। रोनाल्डो और जॉर्जिना की पहली मुलाकात मैड्रिड में हुई थी और वह पिछले 10 साल से साथ में थे। रोनाल्डो 41 साल के हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों में शामिल हैं। वह पांच बार विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने हाल में पुर्तगाल की तरफ से रिकॉर्ड छठे विश्व कप में भाग लिया था। रोनाल्डो क्लब स्तर पर सऊदी अरब की टीम अल नासर की तरफ से खेलते हैं, जो शनिवार से अपने नए सत्र की शुरुआत करेगी।

जॉर्जिना के इंस्टाग्राम पर 77 मिलियन फॉलोअर्स

पिछले साल दोनों ने सगाई की तस्वीरें शेयर की थी। मौजूदा समय में रोनाल्डो और जॉर्जिना दो बेटियों के माता-पिता हैं। साथ ही दोनों मिलकर पांच बच्चों की परवरिश कर रहे हैं। दोनों की प्रेम कहानी काफी रोचक है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की मुलाकात जॉर्जिना से एक फ़ैशन स्टोर में हुई थी। उस मुलाकात के बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और जिंदगी पूरी तरह बदल गई। रोनाल्डो की तरह उनकी पत्नी जॉर्जिना भी लोकप्रियता में पीछे नहीं हैं। उनके के इंस्टाग्राम पर करीब 77 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। जॉर्जिना का जन्म अर्जेंटीना में हुआ था और उनकी परवरिश स्पेन में हुई है। 2016 में रोनाल्डो से एक स्टोर में मुलाकात के बाद दोनों की नजदीकियां बढ़ी थी। फिर अक्सर कई इवेंट में दोनों को साथ देखा गया। देखते ही देखते जॉर्जिना का सफर एक स्टोर से सोशलिस्ट तक पहुंच गया।

भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज में रहाणे की एंट्री, नए रोल में आएंगे नजर

मुंबई। भारत के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे श्रीलंका में होने वाली दो मैचों की श्रृंखला से टेस्ट कमेंट्री में पदार्पण करेंगे। उन्हें 15 अगस्त को गॉल में शुरू होने वाली श्रृंखला के लिए सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क के कमेंट्री पैनल में शामिल किया गया है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद लगभग 18 वर्षों तक चले अपने शानदार खेल करियर को हाल में अलविदा कहने वाले 37 वर्षीय रहाणे अब कमेंटेटर के रूप में नई भूमिका में नजर आएंगे। रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट मैच में 38.46 के औसत से 5,077 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीती थी।

टेस्ट कमेंट्री में करेंगे डेब्यू

रहाणे ने कहा, 'मैं सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और सोनी लिव पर भारत के श्रीलंका दौरे के दौरान टेस्ट कमेंट्री की शुरुआत करने को लेकर उत्साहित हूं। टेस्ट क्रिकेट हमारे खेल का चरम बिंदु है और इतने वर्षों तक इस प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद अब खेल को एक अलग दृष्टिकोण से देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने अनुभव साझा करने, खेल की बारीकियों को समझाने और प्रशंसकों को उन फैसलों, रणनीति और क्षण के बारे में जानकारी देने के लिए उत्सुक हूं जो टेस्ट मैच का रुख बदल सकते हैं।'

भारत से भिड़ने श्रीलंका स्क्वॉड का ऐलान

शनिवार से गॉल में पहला मुकाबला, डीसिल्वा कप्तान और कमिंडू उपकप्तान

कोलंबो

भारत के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका क्रिकेट ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। चोट के चलते कुशल मेंडिस और पाथुम निसांका सीरीज के पहले टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं होंगे। 16 सदस्यीय टीम की कमान ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा को सौंपी गई है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच 15 अगस्त से गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है।

चयनकर्ताओं ने अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज निरोशन डिकवेला को वापस बुलाया है, जिन्होंने आखिरी बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था। बाएं हाथ के बल्लेबाज डिकवेला के पास 54 टेस्ट खेलने का अनुभव है, जिसके कारण उन्हें अंजला बंडारा पर प्राथमिकता दी गई है। बंडारा ने कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड पर भारत के खिलाफ वार्मअप मैच में हिस्सा लिया था।

सिंकफील्ड कप: 95 चाल में की जीत हासिल

प्रज्ञानानंदा ने किया सिंदारोव के डिफेंस को ध्वस्त

सेंट लुई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सिंकफील्ड कप के दूसरे दौर के मैच में जावोखिर सिंदारोव के डिफेंस को ध्वस्त करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। दूसरे दौर के स्टार प्रज्ञानानंदा रहे, जिन्होंने रानी के सामने वाले प्यादे से शुरुआत करके धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की और आखिर में जीत हासिल करने में सफल रहे।

सिंदारोव ने काले मोहरों से खेलते हुए बाजी ड्रॉ कराने को प्राथमिकता दी लेकिन वह प्रज्ञानानंदा की प्रतिबद्धता का अनुमान नहीं लगा पाए। इसका भारतीय खिलाड़ी को फायदा मिला, जिन्होंने 95 चाल में जीत हासिल की। इस जीत से प्रज्ञानानंदा के 1.5 अंक हो गए हैं। उन्होंने पहले दौर की बाजी ड्रॉ खेली थी।

कारुआना ने गिरी के खिलाफ खेला ड्रॉ

इस टीम पहले दौर में जीत हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने नीदरलैंड के अनीश गिरी के खिलाफ ड्रॉ खेला। दूसरे दौर में प्रज्ञानानंदा सहित चार खिलाड़ियों ने जीत हासिल की। अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को, अमेरिका के ही वेस्ली सो ने नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट को और फ्रांस के मैक्सिम वाशियर-लाग्रेव ने अमेरिका के सैमुअल सेवियन को हराया। उज्बेकिस्तान के खिलाड़ी सिंदारोव का इस साल के आखिर में विश्व चैंपियन डी गुकेश के खिलाफ विश्व खिताब के लिए मुकाबला होगा।

तलवारबाजी चैंपियनशिप

भारत का दबदबा पदकों में इजाफा

नई दिल्ली। भारतीय तलवारबाजी टीम ने नाइजीरिया के लागोस में चल रही राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए सीनियर स्तर की विभिन्न व्यक्तिगत स्पर्धाओं में तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता। भारतीय खिलाड़ियों ने सीनियर महिला फॉइल, सीनियर पुरुष ईपी और सीनियर पुरुष साब्रे स्पर्धाओं में दबदबा बनाए रखा। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में 20 पदक जीत लिए हैं, जिसमें आठ स्वर्ण, सात रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं। भारत ने सीनियर महिला फॉइल वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक हासिल किए। वहीं कलाईलक्ष्मी ने सटीक और नियंत्रित प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनकी टीम की साथी जोयल अनिता ने रजत पदक जीतकर पोडियम पर शीर्ष दो स्थान हासिल किए।

आज के दौर में बड़ी समस्याएं ही नहीं छोटी-छोटी बातों से भी लोग तनाव में रहते है। इसे माइक्रो स्ट्रेस कहते है। मेंटली हेल्दी-हैप्पी रहने के लिए इनको जानना और इनसे बचना बहुत जरूरी है।

माइक्रो स्ट्रेस से ऐसे बचें रहें मेंटली हेल्दी-हैप्पी

मेंटल हेल्थ

ललिता गोयल

आजकल स्ट्रेस सबकी लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। डेली रुटीन की सुबह से लेकर शाम तक होने वाली छोटी-छोटी परेशानियां जिन पर हम अकसर ध्यान भी नहीं देते, इन छोटे-छोटे स्ट्रेस को माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं।

तन-मन पर पड़े बुरा असर: माइक्रो स्ट्रेस बहुत चुपके से जिंदगी में दाखिल होता है और अंदर ही अंदर मेंटली बीमार करता रहता है। जैसे किसी छोटी-सी बात पर किसी से बहस हो जाना, ऑफिस में जरूरी मीटिंग में प्रेजेंटेशन वाला स्ट्रेस, बहुत सारे काम एक साथ मैनेज न कर पाने पर कॉन्फिडेंस की कमी महसूस करना, अपनों को समय न दे पाने का प्रेशर। ये बातें देखने में छोटी लगती हैं, लेकिन इन छोटे-छोटे स्ट्रेस का मन और शरीर पर बड़ा असर होता है। हर समय थकान, चिड़चिड़ापन होने लगता है और अगर इस पर ध्यान न दिया गया तो माइक्रो स्ट्रेस गंभीर रूप ले सकता है।

माइक्रो स्ट्रेस के प्रकार: कुछ ऐसी बातों से माइक्रो स्ट्रेस हो सकता है। जैसे-सुबह ऑफिस के लिए निकलते समय गाड़ी की चाबी का न मिलना। व्हॉट्सएप पर किसी का मैसेज देखकर तुरंत जवाब देने का दबाव महसूस होना। ट्रैफिक जाम में फंस जाना। काम के बीच अचानक और कोई नया काम आ जाना। अचानक कहीं से आए इनविटेशन पर जाने का प्रेशर। काम की छोटी-छोटी डेड लाइंस का प्रेशर। परिवार या कलीग्स से छोटी बातों पर बहस। हर समय अवेलेबल रहने की उम्मीद रखना। देखने में ये बातें इतनी छोटी होती हैं कि इन पर गुस्सा या दुख जाहिर नहीं कर पाते, लेकिन ये माइक्रो स्ट्रेसर्स शरीर के कॉर्टिसोल स्ट्रेस हार्मोन को निरंतर बढ़ाते हैं, जिससे धीरे-धीरे फोकस में कमी और मूड स्विंग्स होने लगते हैं और ओवरऑल हेल्थ इफेक्ट होती है।

प्रमुख लक्षण: माइक्रो स्ट्रेस की स्थिति में व्यक्ति दिनभर की छोटी-छोटी बातों को सोचता रहता है, जिसके कारण उसे आराम नहीं मिल पाता और उसकी सेहत पर नेगेटिव असर होता है। इस वजह से व्यक्ति में चिंता, बेचैनी, गुस्सा, चिड़चिड़ापन, थकान, उदासी, फोकस की कमी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, अनिद्रा, इम्यूनिटी वीक होने लगती है।

इन्हें है ज्यादा रिस्क: सेंसिटिव लोगों को माइक्रो स्ट्रेस का जोखिम ज्यादा रहता है। एजुकेशन और हेल्थ केयर से जुड़े लोग या कॉर्पोरेट एंप्लाई या फिर हर काम में परफेक्शन की चाह रखने वाले लोगों में माइक्रो स्ट्रेस का रिस्क ज्यादा दिखाई देता है। कुछ केसेज में पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस न होना, हॉबीज के लिए समय न मिल पाना, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल, खुद से बहुत ज्यादा उम्मीदें रखना, हर काम को परफेक्ट करने की कोशिश करना, परिवार या दोस्तों के लिए समय की कमी, हर वक्त नोटिफिकेशन रिंग से डिस्टर्ब होना भी माइक्रो स्ट्रेस को बढ़ाने का कारण बन सकती है।

कंट्रोल करने के तरीके: माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल करना आसान है लेकिन इसके लिए पहले उन बातों को पहचानने की जरूरत होती है जो बातें रोज की जिंदगी में बार-बार परेशान कर रही हैं। जब भी अचानक बिना किसी बड़ी वजह के उदासी या गुस्सा आए, तो दो मिनट रुकें और खुद से पूछें कि सुबह से ऐसी कौन-सी छोटी-छोटी बातें हुईं, जिनसे मूड खराब हुआ। जब आप समस्या को पहचान लेते हैं, तो दिमाग शांत होने लगता है रोजाना की आदतों और लाइफस्टाइल में बदलाव करके माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल किया जा सकता है। जो काम करना संभव न हो उसके लिए 'ना' कहें। काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें, सुबह-शाम खुली हवा में वॉक करें। स्क्रीन टाइम लिमिट करें। बार-बार फोन चेक करने की आदत को कम करें। दिन में कुछ समय डिजिटल डिटॉक्स के लिए निकालें। मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। छोटी-छोटी खुशियां जैसे पसंदीदा संगीत सुनना, चाय की चुस्की लेने जैसी हैबिट को अपनी लाइफ में जगह दें। परिवार और दोस्तों से जुड़े रहें। स्ट्रेस को ज्यादा समय तक मन में न रखें। पर्याप्त नींद लें। *

(साइकोलॉजिस्ट मीनाक्षी मनचंदा से बातचीत पर आधारित)

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. नीलम अत्रि

नेत्र रोग विशेषज्ञ, श्रॉफ आई सेंटर, दिल्ली

हमारे शरीर की बहुत कोमल और महत्वपूर्ण अंग होती है आंखें। लेकिन अक्सर देखने में आता है कि लोग आइज हेल्थ को लेकर ज्यादा सजग नहीं होते हैं। इसीलिए जाने-अंजाने ऐसी हैबिट्स को अपनाए रहते हैं, जो आंखों के लिए हार्मफुल होती हैं। इनके बारे में आपको जरूर जानना चाहिए, ताकि इन्हें छोड़कर अपनी आंखों को हमेशा स्वस्थ रख सकें।

ये बैड हैबिट्स होती हैं आंखों के लिए हार्मफुल

हम अकसर यह सोचते है कि हमारी आंखों को सबसे ज्यादा नुकसान फोन की स्क्रीन से होता है। रात को देर तक मोबाइल चलाना, टीवी के सामने घंटों बैठे रहना, यही सब उन्हें आंखों का असली दुश्मन लगता है। लेकिन हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि हमारी कुछ बुरी आदतें भी ऐसी हैं, जो हर रोज बिना किसी वार्निंग के आंखों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही होती हैं। इनकी वजह से भविष्य में आंखों से संबंधित कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। जब तक पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। ऐसे में हमें इनके प्रति सजग रहना जरूरी है।

गलत दूरी-पोश्चर में पढ़ना

बहुत पास से किताब पढ़ना, लेटकर मोबाइल चलाना या कम रोशनी में काम करना, ये सब आदतें आंखों पर अतिरिक्त दबाव डालती हैं। खासकर बच्चों में यह आदत निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) बढ़ाने का बड़ा कारण बनती है।

क्या करें: पढ़ते समय किताब को आंखों से कम से कम 12-14 इंच की दूरी पर रखें। स्क्रीन को आंखों के लेवल से थोड़ा नीचे और लगभग एक हाथ की दूरी पर रखें। हमेशा पर्याप्त रोशनी में ही पढ़ने-लिखने का काम करें।

बार-बार आंखें मलना

दिन भर काम करते-करते जब भी आंख में हल्की-सी खुजली होती है, हम बिना सोचे-समझे हाथ से आंख को रगड़ने लगते हैं। यह बहुत नॉर्मल लगता है। आमतौर पर हमें लगता है कि यह आलस या नींद पूरी न होने की वजह से हो रहा है। जबकि इसके पीछे एलर्जी, ड्राई आइज या इंफेक्शन की शुरुआत होने जैसे कारण हो सकते हैं। लेकिन हमें एहसास ही नहीं होता कि इस आदत के कारण अपनी आंखों का कितना बड़ा नुकसान कर रहे हैं। दिन भर में हमारे हाथ कई चीजों को छूते हैं, जिन पर मौजूद जर्म्स और बैक्टीरिया हमारे हाथों पर चिपक जाते हैं। जब हम आंखें मलते है, तो वे आंख के अंदर पहुंच जाते है। इससे इंफेक्शन का खतरा तो बढ़ता ही है, आंखों को नुकसान भी पहुंचता है। बार-बार जोर से आंख मलने से कॉर्निया यानी आंख का वह पतला सामने वाला हिस्सा कमजोर पड़ने लगता है। धीरे-धीरे वह अपनी नेचुरल शेप खो देता है और कोन जैसी शेप में बदल सकता है। इसे केराटोकोनस कहा जाता है। ध्यान न देने पर यह आगे चलकर आंखों की रोशनी कम हो सकती है।

क्या करें: जब आंख में खुजली हो तो उसे मलने की बजाय ठंडे पानी से धोएं। अगर खुजली बार-बार हो रही है तो समुचित उपचार के लिए नेत्र विशेषज्ञ से अवश्य मिलें।

सस्ते सनग्लासेस पहनना

गर्मी के मौसम में धूप में निकलते समय हम डार्क कलर के लेंस वाले और सस्ते सनग्लासेस पहनते हैं। इन्हें अकसर अनब्रांडेड ही लेते हैं। बेशक अल्ट्रावॉयलेट रेज से आंखों का बचाव करने के लिए सनग्लासेस पहनना उचित है। लेकिन ऐसे सनग्लासेस फायदे की जगह उल्टा नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेंस का डार्क कलर देखकर हमारा ब्रेन समझता है कि बाहर अंधेरा है और आंखों की काली पुतली (प्यूपिल) अपने आप फैल जाती है, जिससे हार्मफुल अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के रेटिना और लेंस तक ज्यादा मात्रा में पहुंचने लगती हैं। लंबे समय तक इनके इस्तेमाल से मैकुलर डिजनरेशन जैसी बीमारियां होने का खतरा रहता है, जिनसे आंखों की रोशनी धीरे-धीरे कम होने लगती है।

क्या करें: सनग्लासेस यथासंभव आइज-स्पेशलिस्ट को कंसल्ट करके या किसी अच्छी दुकान से ही खरीदें। खरीदते समय हमेशा लेबल या पैकेजिंग पर लिखी जानकारी जरूर पढ़ें। चेक करें कि उस पर यूवी 400 या शत-प्रतिशत यूवी प्रोटेक्शन लिखा हो। सनग्लासेज के लेंस के रंग का भी ध्यान रखें यानी बहुत डार्क कलर के सनग्लासेज लेना अवॉयड करें। यह हार्मफुल हो सकता है।

कांटेक्ट लेंस से जुड़ी लापरवाही

समयाभाव या आलस के चलते रात में सोने से पहले कई लोग कांटेक्ट लेंस नहीं उतारते और उन्हें पहनकर ही सो जाते हैं। या उन्हें बिना ठीक से साफ किए इस्तेमाल करते रहते हैं। इसका आंखों पर बहुत असर पड़ता है, क्योंकि सोते समय हमारी आंखें बंद रहती हैं और कॉर्निया तक ऑक्सीजन की सप्लाई नेचुरली कम मात्रा में हो पाती है। ऊपर से अगर सोते हुए कांटेक्ट लेंस लगाने पर ऑक्सीजन की सप्लाई और भी कम हो जाती है, क्योंकि लेंस एक तरह की परत की तरह काम करता है। इस कंडीशन को हाइपोक्सिया कहा जाता है। हाइजीन का ध्यान न रखने पर आंखों में कैरेटाइटिस इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। जो कॉर्निया को बुरी तरह नुकसान पहुंचाता है और कुछ मामलों में व्यक्ति को पूरी तरह से विजन लॉस तक हो सकता है।

क्या करें: चाहे कितनी भी थकान क्यों न हो, सोने से पहले कांटेक्ट लेंस जरूर निकालें। डॉक्टर की सलाह के अनुसार साफ करें और सही तरीके से सॉल्यूशन में स्टोर करें। लेंस पहनने-उतारने से पहले हाथों को अच्छी तरह धोएं। साथ ही नहाते या स्विमिंग करते समय कांटेक्ट लेंस न पहनें क्योंकि पानी में मौजूद बैक्टीरिया भी उतनी ही आसानी से आंख में इंफेक्शन फैला सकते हैं। भले ही कांटेक्ट लेंस देखने में कितने भी अच्छे क्यों न लगें, एक्सपायरी डेट खत्म होने के बाद उन्हें इस्तेमाल न करें।

बहुत कम या तेज रोशनी में पढ़ना

कम रोशनी में पढ़ने से आंखों को अतिरिक्त मेहनत करनी पड़ सकती है और जल्दी थकान महसूस हो सकती है। इसी तरह बहुत तेज या सीधे आंखों पर पड़ने वाली रोशनी भी असुविधा पैदा कर सकती है। इससे आंखों में तनाव और असहजता बढ़ सकती है।

क्या करें: पढ़ते या काम करते समय कमरे में पर्याप्त और समान रोशनी रखें। रोशनी सीधे आंखों में पड़ने के बजाय किताब या काम की जगह पर पड़े। रात में मोबाइल की तेज रोशनी में लंबे समय तक पढ़ने से बचें।

रुटीन आई चेकअप ना करवाना

ज्यादातर लोग तभी डॉक्टर के पास जाते हैं, जब आंखों में धुंधला दिखना या दर्द होने जैसी कोई समस्या होने लगती है। लेकिन असली खतरा ग्लूकोमा जैसी बीमारियों से होता है, जिसे साइलेंट थीफ ऑफ साइट भी कहा जाता है। ग्लूकोमा चुपचाप बिना किसी दर्द या तकलीफ के आंखों को नुकसान पहुंचाता रहता है। जब तक व्यक्ति को कुछ महसूस होता है तब तक काफी नुकसान हो चुका होता है। इसीलिए रेग्युलर आई चेकअप बहुत जरूरी है। रेग्युलर आई चेकअप व्यक्ति की आंखों की रोशनी बचा सकता है। बहुत से लोग सोचते हैं कि जब तक चश्मे का नंबर नहीं बदला तब तक डॉक्टर के पास जाने की कोई जरूरत नहीं। लेकिन यह सोच गलत है। आई एग्जामिनेशन सिर्फ नंबर चेक करने के लिए नहीं होता बल्कि उसमें आंखों के अंदर का प्रेशर, रेटिना की कंडीशन और नसों की सेहत भी देखी जाती है। जो सिर्फ मशीन के द्वारा एक्सपर्ट आइज स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही देख सकते हैं।

क्या करें: साल में कम से कम एक बार आंखों की जांच जरूर कराएं। खासकर अगर आपके परिवार में किसी को पहले ग्लूकोमा, डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी रही है, तो आपके लिए यह जांच और भी जरूरी हो जाती है। क्योंकि इन बीमारियों का सीधा असर आंखों की सेहत पर भी पड़ता है। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

बुक शेल्फ

रेणु खंतवाल

फिटनेस के लिए उपयोगी सूत्र

फिट इंडिया एंबेसडर और आईआरएस नरेंद्र कुमार यादव की किताब 'फिटनेस और भारत @ 2047' हाल ही में छपकर आई है। यह किताब फिटनेट के महत्व और उसकी जरूरत को बहुत व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। यह फिटनेस को राष्ट्र की जरूरत के रूप में देखने की सोच, नजरिया पेश करती है। किताब यह बताने का प्रयास करती है कि जब भारत 2047 में आजादी के 100 वर्ष मना रहा होगा, उस समय वह एक मजबूत राष्ट्र के रूप में तो होगा ही लेकिन क्या देश की जनता भी स्वस्थ शरीर के साथ राष्ट्र का नेतृत्व कर रही होगी?

जिस तरह लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियों से हम घिरे हुए हैं, क्या एक कमजोर शरीर के साथ एक मजबूत सशक्त राष्ट्र की नींव रख सकते हैं? किताब यह संदेश देती है कि मजबूत देश के निर्माण का भागीदार बनने के लिए हमें अपने शरीर पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। स्वास्थ्य केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं बल्कि राष्ट्रीय प्राथमिकता भी होनी चाहिए।

किताब अच्छी लाइफस्टाइल पर सबसे ज्यादा जोर देती है। इसमें हेल्दी-फिट रहने के लिए कई ऐसे सूत्र दिए गए हैं, जिन्हें आसानी से अपना सकते हैं। जैसे- रोज अच्छी भरपूर नींद, संतुलित आहार युक्त थाली, रोज की वॉकिंग और प्रति सप्ताह न्यूनतम 150 मिनट मध्यम स्तर की शारीरिक गतिविधि को अनिवार्य बताया गया है। लेखक इस बात को बार-बार दोहराते हैं कि रोज का 24 मिनट का दैनिक व्यायाम, भविष्य की 240 घंटों की बीमारी को रोक सकता है। कुल मिलाकर यह किताब कई उदाहरणों और प्रसंगों के माध्यम से यह समझाने का प्रयास करती है कि आपका शरीर केवल आपका नहीं, राष्ट्र का भी है। व्यक्तियों से ही राष्ट्र बनता है और वही देश का निर्माण करते हैं। इसलिए यदि देश का हर नागरिक स्वस्थ होगा, तभी हम एक सशक्त राष्ट्र बनकर देश के विकास को स्वर्णिम अक्षरों में लिख सकते हैं। *

पुस्तक: फिटनेस और भारत @ 2047, लेखक: नरेंद्र कुमार यादव, मूल्य: 400 रुपए, प्रकाशक: प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली

डाइट सजेशन

जास्मिन कौर

डाइटीशियन-एक्स, नई दिल्ली

आपके बच्चे हेल्दी, एनर्जेटिक रहें इसके लिए आप हर संभव प्रयास करते हैं। लेकिन इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप बच्चे को रेग्युलर न्यूट्रिशस डाइट दें। कैसी हो बच्चों की डाइट, जानिए।

बच्चों को दें न्यूट्रिशस फूड रहेंगे हेल्दी-एनर्जेटिक

यह सही है कि बच्चों को पिज्जा, बर्गर, फ्रेंच फ्राइज, पोटैटो चिप्स, कैंडी जैसे स्नैक्स अपनी ओर ज्यादा आकर्षित करते हैं। ताजे फल या ताजे फलों के जूस के बजाय उन्हें पैक्ड जूस, फ्रूट ड्रिंक्स और सोडा लेना ज्यादा पसंद होता है। लेकिन इन सबके कारण कम उम्र में ही उनमें एनीमिया, तनाव, मोटापा, डिस्लीपेडिनिया यानी लिपिड और ब्लड कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखा जाए।

दें हेल्दी मील्स: बच्चों के साथ पूरा परिवार बैठकर ऐसी हेल्दी डाइट ले, जिसमें प्रचुर मात्रा में कैलोरीज और न्यूट्रीएंट्स मौजूद हों। इससे बच्चे में हेल्दी डाइट के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। पढ़ाई, खेल और अन्य एक्टिविटीज के बीच बच्चों को शॉर्ट मील्स लेने की आदत डालें। बच्चों को हर रोज तीन बार हेल्दी खाना और दो बार हेल्दी स्नैक्स दें, ताकि उनके शरीर को प्रचुर मात्रा में कैलोरीज मिल पाएं। स्कूल जाने वाले बच्चों के लंच बॉक्स में हेल्दी मील के अलावा दो शॉर्ट मील्स भी पैक करके दें। ताकि वह स्कूल की कैंटीन से अनहेल्दी फूड न ले।

कैल्शियम युक्त डाइट जरूरी: कैल्शियम, बच्चों की हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके लिए उनकी डाइट में संतरे का जूस, दूध, टोफू, केला, स्पिनेच, ब्रोकली, आलमंड चीज, कॉटेज चीज और योगर्ट शामिल करें। बींस, सोया फूड्स, टोफू, पीनट, बटर को फ्राई करने के बजाय बेक, बॉयल और ग्रिल्ड करके दें, इससे उनका बॉडी वेट कंट्रोल रहेगा।

ताजे फल-सब्जियां हों ज्यादा: बच्चों की आधी से ज्यादा खाने की प्लेट फ्रेश फलों और सब्जियों से भरी होनी चाहिए। ड्राई फ्रूट्स के बजाय उन्हें फ्रूट जूस दें। संभव हो तो ब्रोकली, स्पिनेच, रोमैन लेट्यूस और कोलार्ड ग्रीन्स जैसे डार्क ग्रीन वेजिटेबल्स के साथ-साथ गाजर, शकरकंद, विंटर स्क्वैश और रेड पेपर्स सब्जियां भी दें। ब्राउन राइस, होल व्हीट पास्ता, होल ग्रेन सीरीयल्स और ब्रेड समेत लो फैट डेयरी फूड्स भी डाइट में शामिल करें। मांसाहारी हों तो मछली, चिकन जैसे प्रोटीन युक्त फूड्स भी उनकी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

फ्राइड नहीं रोस्टेड स्नैक्स: फ्राइड के बजाय उन्हें रोस्टेड स्नैक्स खाने के लिए प्रेरित करें। टिंड फूड, टिंड पैकड फूड अवॉइड करें। उन्हें समझाएं कि जो भी खाएं फ्रेश खाएं। जंक फूड या फास्ट फूड में अधिक मात्रा में फैट (खासकर सैचुरेटेड फैट), अधिक मात्रा में नमक, चीनी मौजूद होते हैं। इससे वजन बढ़ने, हाई बीपी, कब्ज, थकान और ध्यान एकाग्र करने में परेशानी होती है। इससे बचने के लिए ऐसा भोजन उन्हें न दें। दांतों की समस्या से बच्चों को बचाने के लिए एनर्जी ड्रिंक्स के बजाय ताजे फल या फलों का ताजा जूस, नीबू का रस, लाइम या संतरा फ्लेवर चुनें।

अनसैचुरेटेड फैट: सोयाबीन, कनोला, ऑलिव और सनफ्लावर ऑयल में मौजूद अनसैचुरेटेड फैट हेल्दी होता है। रेड मीट में आयरन, एग योगर्ट, फोर्टिफाइड सीरीयल्स सहित ब्रेड को बच्चों की डाइट में शामिल कर सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक स्वस्थ डाइट का केवल सात प्रतिशत हिस्सा सेचुरेटेड फैट, देसी घी, मक्खन वगैरह से आना चाहिए। इससे ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह हो सकता है। वहीं, मोनो अनसैचुरेटेड और पॉली अनसैचुरेटेड फैट का कॉम्बिनेशन बच्चों के विकास में मदद करता है इसलिए सनफ्लावर ऑयल में पका खाना खिलाना और खाने में उन्हें मूंगफली देना भी अच्छा है।

नियमित व्यायाम जरूरी: अच्छी डाइट के अलावा बच्चे हर रोज कम से कम एक घंटा शारीरिक श्रम, व्यायाम या आउटडोर गेम्स जरूर खेलें। जैसे कि दौड़, वॉकिंग, स्विमिंग आदि, इससे भी वे लगातार फिट रह सकते हैं। *

प्रस्तुति: सुषमाश्री

बुंदेलखंड की भूमि वीरों की कर्मभूमि है : निरंजन ज्योति

- गुरसरांय मे भाजपा ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

(यंग भारत न्यूज)

गुरसरांय । भारतीय जनता पार्टी की विशाल तिरंगा यात्रा का शुभारंभ नगर के खेर इंटर कॉलेज के मुख्य भवन से हुआ ,जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति उपस्थिति रही । बिशिष्ठ अतिथि के रूप में क्षेत्रीय बिधायक जवाहरलाल राजपूत उपस्थित रहे अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने की खेर इण्टर कालेज विद्यालय के संस्थापक कर्मयोगी पं रामसहाय शर्मा के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। तिरंगा यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सहित अनेक वीरों और महापुरुषों की भूमि है। इस पवित्र भूमि ने देश की स्वतंत्रता और सम्मान के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अनेक वीर सपूतों को जन्म दिया है। उनके त्याग और बलिदान को देश कभी भुला नहीं सकता।

उन्होंने कहा कि भारत की आजादी केवल एक तारीख नहीं, बल्कि लाखों स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान का परिणाम है। स्वतंत्रता संग्राम में जिन वीरों ने अपने प्राणों की आहुति दी, आज पूरा देश उन शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन कर रहा है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। यह हमें उन वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए कठिन संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है और भारत निरंतर मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। हमें स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों का भारत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए।उन्होंने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को अपने गौरवशाली इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन के वीरों के बारे में जानकारी हासिल करनी चाहिए। राष्ट्र के प्रति समर्पण, अनुशासन और एकता की भावना को मजबूत करना ही शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत ने कहा कि आज हम सभी भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर गुरसराय में तिरंगा यात्रा निकाल रहे हैं। तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। हमारे राष्ट्रीय ध्वज में देश की एकता, अखंडता, शांति और वीरता की भावना समाहित है। देश को स्वतंत्र कराने के लिए हमारे वीर स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उनके बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र भारत में सम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं। हमें अपने वीरों के त्याग को सदैव याद रखना चाहिए और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की प्रगति में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत करना तथा युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के गौरवशाली इतिहास से जोड़ना है। देश की एकता और अखंडता को मजबूत रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप पटेल ने कहा कि हमारा देश कभी सोने की चिड़िया कहलाता था और हम सभी सनातनी संस्कृति से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि बीच में ऐसा काल आया, जब समाज जाति और भेदभाव के कारण अलग-अलग वर्गों में बंट गया। भाजपा सरकार बनने के बाद देश में निरंतर परिवर्तन देखने को मिला है। आज भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान को सर्वोपरि रखते हुए देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

तिरंगा यात्रा का शुभारंभ खेर इंटर कॉलेज से हुआ ओर समापन तालाब के पास मंदिर पर हुआ। इस अवसर पर राज्यमंत्री जमुना कुशवाहा, एमएलसी प्रतिनिधि आर पी निरंजन ,महिला आयोग की सदस्य अनुपमा सिंह लोधी , जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष सहजेन्द्र सिंह बघेल, गुड्डी रानी पटेल, नेहिल सिंघई, तिरंगा यात्रा के कार्यक्रम संयोजक चंचल कंथरिया, कुलदीप विश्वकर्मा पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य, नगरपालिका अध्यक्ष गुरसरांय जयपाल सिंह राजू चौहान, चेयरमैन गरौठा डॉक्टर अरुण कुमार मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष देवेश पालीवाल एवं गोपी नाथ बक्शी,भाजपा के वरिष्ठ नेता राम जी परिहार ,समथर चेयरमैन देवेंद्र सिंह कंसाना, अमित चौरसिया ,सत्येंद्र खरे,यशोदा कुशवाहा, चन्द्र जीत सिंह, ब्लॉक प्रमुख गुरसरांय टीका राम पटेल ब्लॉक प्रमुख बामौर चंद्रभान अहिरवार, प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी, प्रवेश शर्मा,आनन्द कुमारी,विनीता मिश्रा,सगुन घोष, खाती रैकवार, ललिता रैकवार,उमा राजपूत, अभिलाषा,मोना, प्रसिद्ध नारायण यादव ,रामनारायण पश्तोर,सतीश चौरसिया, अबधेश सिंह फौजी, मानसिंह परिहार ,गुड्डू चौहान, आत्माराम फौजी,वरिष्ठ भाजपा नेता जिनेंद्र जैन, पार्षद राकेश पटेल ,शालू गोस्वामी,प्रतीक जैन ,मोहिनीश अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष आशीष खरे,सेक्टर प्रभारी सुमित पाठक , कमलेश द्विवेदी ,के पी शर्मा, अवध किशोर रिछारिया, जितेंद्र व्यास,प्रेम नारायण अग्रवाल,: अभय प्रताप सिंह छोटू अस्ता,केशवेंद्र सिंह,: प्रमोद स्वामी,पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण नायक,पवन स्वामी मनोहर राव नेवालकर,सुधीर पाठक,एम एल सी प्रतिनिधि पुष्पेंद्र पटेल भड़ोकर ,शालू पटेल गोस्वामी अखिलेश तिवारी छिरोरा,पूर्व डायरेक्टर सुबोध पटेल, अबधेश निरंजन, वरिष्ठ भाजपा नेता गुलाबचंद जैन जैन , राजू पाठक आमली,जिला पंचायत सदस्य : शत्रुघ्न सिंह परिहार, चंद्रभान सिंह परमार गुढ़ा, अनुज द्विवेदी नागर, महेंद्र राजपूत खेरी,रोहित तिवारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन जिला महामंत्री बद्री त्रिपाठी ने किया।

ईद मिलादुन्नबी के जुलूस की तैयारियों को लेकर जिला अमन कमेटी की बैठक संपन्न हुई,

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जुलूस-ए-ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर आगामी 26 अगस्त 2026 को निकाले जाने वाले जुलूस की तैयारियों को लेकर तलैया मोहल्ला स्थित कार्यालय में जिला अमन कमेटी के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जुलूस के आयोजन एवं व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में कमेटी पदाधिकारियों ने कहा कि ईद मिलादुन्नबी का पर्व आपसी सौहार्द, भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखते हुए हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मनाया जाएगा। जुलूस में शामिल होने वाले बुजुर्गों, बच्चों एवं सभी जायरीनों का जिला अमन कमेटी द्वारा जिला अस्पताल के मुख्य द्वार पर स्वागत एवं इस्तकबाल किया जाएगा। जुलूस में पूर्व राज्यसभा सांसद चन्द्रपाल सिंह यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' वरिष्ठ समाजसेवी सपा नेता अस्फान सिद्दीकी सहित कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग शामिल होकर जायरीनों का स्वागत करेंगे। इस दौरान कमेटी के शरीफ कुरैशी उर्फ कल्लू भाई मछली वाले, जनाब फारुख शेख, नदीम अली हाशमी, नईम खां मिस्त्री, तौफीक अहमद, अरशद खान फिरोज खान, इम्तियाज खान, अशफान खान, जाहिद मंसूरी, शहनवाज हुसैन एवं वैभव वट्टा विंकल राय अजय यादव पंकज अग्रवाल अल्ताफ रिजवी खालिद हसन इरफान सादिक अली हनीफ मंसूरी गफ्फार कुरैशी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के अंत में कमेटी पदाधिकारियों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी गणमान्यजनों का आभार व्यक्त किया और जुलूस को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की अपील की।

खुला पत्र

प्रेषक:
कुंवर हरिवंश सिंह
सांसद, 16 वीं लोकसभा पांचवां सर्वश्रेष्ठ सांसद
राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा

प्रति:
माननीय राष्ट्रपति महोदय
माननीय प्रधानमंत्री महोदय
माननीय कानून एवं न्याय मंत्री
भारत सरकार, नई दिल्ली

विषय: संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 के अनुसार 'आर्थिक आधार पर आरक्षण' 'सभी वर्गों के गरीबों को न्याय' देने के संबंध में

'लोकतंत्र में जनता की आवाज को दबाना अभिव्यक्त की आज़ादी नहीं

आगामी 15 अगस्त को आजादी के 79 वर्ष में जाने के बाद भी करोड़ों नागरिक बुनियादी न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं न्याय दिलाने हेतु आग्रह कर रहे हैं

संवैधानिक आधार:

भारत का संविधान अनुच्छेद 14 कहता है – 'कानून के समक्ष समानता'

अनुच्छेद 15 कहता है – 'किसी से धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होगा।'

फिर प्रश्न उठता है:

1. क्या क्षत्रिय, ब्राह्मण, वैश्य और अन्य सवर्ण समाज में गरीब परिवार नहीं हैं क्या ?

2. क्या गरीबी की कोई जाति होती है ?

3. 79 साल बाद भी आरक्षण की समीक्षा क्यों नहीं हुई ? यूजीसी कानून जैसे फार्मूले शिक्षा में शामिल किसने किए हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका कर्ता अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा है

जिस पर स्टे है सरकार को वापस ले लेना चाहिए।

वर्तमान स्थिति:

1. गंगा-जमुनी तहजीब के नाम पर सिर्फ भाषण दिए जा रहे हैं।

2. जाति के फार्मूले बनाकर समाज को बांटा जा रहा है कुर्सी पाने चोला रंग बदलने सत्ता सिंघासन के फार्मूले पर चर्चा होती है

3. हर राजनीतिक पार्टी का कार्यकर्ता आज अपने नेतृत्व से नाराज है, क्योंकि उसके सपने पूरे नहीं हुए

अवसरवादी राजनीति कूटनीति से उसके सपने अधूरे है

4. योग्य और गरीब बच्चा फीस के अभाव में पढ़ाई छोड़ रहा है, जबकि अयोग्य को सिर्फ जाति के कारण लाभ मिल रहा है।

हमारी कानूनी मांग:

1. आर्थिक आधार पर आरक्षण को तुरंत लागू किया जाए। 10% श्व्ङ्क्स को 50% किया जाए।

2. 'क्षत्रिय उत्थान आयोग / सवर्ण आयोग' का गठन हो, ताकि वंचित वर्गों का डाटा और सर्वे हो सके।

3. स्ष्ट-स्ज्ञ एक्ट के दुरुपयोग को रोकने के लिए कड़े प्रावधान बनें किसी निर्दोष की गिरफ्तारी न हो

4. जनसंख्या नियंत्रण कानून और समान नागरिक संहिता लागू हो।

कब तक चुप रहेंगे इस देश के करोड़ों लोग देश का युवा ?

अब सरकार को आम जनता की समस्या और 'आर्थिक आधार पर आरक्षण' पर जवाब देना ही पड़ेगा।

हम संविधान के दायरे में रहकर आवाज न्याय की सरकार से मांगते हैं न्याय हमको जवाब तो दीजिए.

'समाज सर्वोपरि है, सर्वोपरि रहेगा।'

भारत माता की जय

भवदीय,
कुंवर हरिवंश सिंह
सांसद, 16वीं लोकसभा
राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा वाशी मुंबई
9702077777

'संविधान कहता है – भेदभाव नहीं।
देश चले संविधान से

-निर्धारित एरिया को लेकर किन्नरों के दो पक्ष आमने-सामने, मारपीट का आरोप

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र में निर्धारित एरिया को लेकर किन्नरों के दो पक्षों के बीच विवाद सामने आया है। अलीगंज निवासी किन्नरों ने कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर कालू कुआं क्षेत्र के रहने वाले किन्नरों पर उनके क्षेत्र में आकर पैसे की उगाही करने, विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है।

शिकायत के मुताबिक, घटना 6 अगस्त 2026 की बताई गई है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि रेलवे पटरी के आधार पर दोनों पक्षों का एरिया निर्धारित है। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोग उनके क्षेत्र में पहुंचकर पैसे मांगने लगे। विरोध करने पर विवाद बढ़ गया और मारपीट की गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि 8 अगस्त की रात करीब नौ बजे भी कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की और घर से बाहर निकलने पर जान से मारने की धमकी दी। शिकायत में कुछ लोगों के नाम लेते हुए करीब 20-25 लोगों पर मारपीट में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस से मामले की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुला पत्र

सनातन समाज के नाम

'15 अगस्त 2026 –
स्वतंत्रता के 79वें वर्ष पर संकल्प पत्र'

जय माँ भवानी ! जय श्री राम ! वंदे मातरम !

प्रिय सनातनी
बंधुओं,

आजादी के 79 साल हो रहे पर क्या हम वाकई 'स्वतंत्र' हैं ?

सोच से, शिक्षा से, राजनीति से, एकता से ?

राजपूत सनातन योद्धा स्वर्ण समाज को सबसे पहले ये बात समझनी होगी

सिर्फ सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से समाज आगे नहीं बढ़ता।

राजनीति की समझ भी शिक्षा जितनी ही ज़रूरी है।

आज की 3 सबसे बड़ी चिंताएं:

1. राजनीति की समझ कमजोर हो रही है

किसके साथ चलना है, किस मुद्दे पर बोलना है, कब संयम रखना है...

ये आकलन हम भूलते जा रहे हैं। बिना सोचे-समझे गाली देना, हर विवाद में कूदना –

ये बाहुबली नहीं, कमजोरी की निशानी है।

2. जमीन पर योगदान शून्य, फेसबुक इंस्टाग्राम सोशल मीडिया पर शोर ज्यादा

हम फेसबुक पर खुद को 'बाहुबली' साबित करने में लगे हैं,

और जमीन पर हमारे बच्चे... पढ़ाई से दूर होते जा रहे हैं।

3. शिक्षा से दूरी = ताकत से दूरी

एक समय था जब हर घर से ढ्ढस्, ढ्ढक्क्, जज, डॉक्टर, प्रोफेसर, सैनिक निकलते थे। राजनीति में भी शिक्षित थे

आज गिनती के हैं आखिर चुप क्यों ?

जब तक कलम कमजोर रहेगी, तुम्हारी तलवार की इज्जत नहीं होगी।

15 अगस्त 2026 पर
5 संकल्प लें:

संकल्प 1: शिक्षा सर्वोपरि

हर घर का एक बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर,आईएस पीसीएस अधिकारी, वैज्ञानिक बनेगा

राजनीत में यदि आयेगा तो योग्यता मापदंड हो
क्योंकि समाज की सबसे बड़ी ताकत = शिक्षा है।

संकल्प 2: राजनीतिक जागरूकता

भावना से नहीं, रणनीति से चलेंगे

भक्त बनेंगे, अंधभक्त नहीं। सवाल पूछेंगे, जवाब मांगेंगे।

संकल्प 3: एकता और संयम

कुर्सी पाने चोला रंग बदलने वालों के चक्रव्यूह को तोड़ेंगे

आपस में लड़ना बंद, करिए अब समाज के हक अधिकार हेतु आपको लड़ना ही पड़ेगा।

संकल्प 4: कर्म ही पूजा

'अफसर करें न अफसरी, वर्कर करें न वर्क' वाला सिस्टम नहीं चलेगा।

पद मिला है तो दायित्व निभाए पद कद के साथ न्याय करे

संकल्प 5: क्षात्र धर्म

'जब-जब क्षत्रिय लड़खड़ाता है तो सदैव क्षात्रधर्म ही उसे संभालता है।'

गिरेंगे, उठेंगे, पर झुकेंगे नहीं।

अंतिम बात:

'कोशिश कर तू, हल निकलेगा
आज नहीं तो कल निकलेगा'

सिर्फ भावनाओं से नहीं,
शिक्षा, योग्यता और राजनीतिक समझ से ही
किसी समाज का भविष्य मजबूत होता है।

आइए, इस 15 अगस्त तिरंगे के साथ 'शिक्षा' और 'एकता' का झंडा भी लहराएं।

तब जाकर कहेंगे – 'हम स्वतंत्र हैं'

जय हिंद ! जय संविधान ! जय क्षात्र धर्म ! जय क्षात्र शक्ति !

मेरा विचार मेरा संदेश उचित हो तो जरूर शेयर करें

क्षत्रिय धर्म युगे युगे
राघवेंद्र सिंह राजू
वरिष्ठ राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीयक्षत्रिय महासभा 9956402096

नगर रामपुरा में नगर अध्यक्ष गायत्री वर्मा की अध्यक्षता में निकली भव्य 'हर घर तिरंगा रैली', देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर

(यंग भारत न्यूज)

रामपुरा, जालौन। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत गुरुवार को नगर रामपुरा में नगर अध्यक्ष गायत्री वर्मा की अध्यक्षता में भव्य 'हर घर तिरंगा रैली' निकाली गई। रैली में नगर के जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, महिलाओं और बड़ी संख्या में नगरवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश दिया। 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'जय हिंद' के नारों से पूरा नगर गूंज उठा। रैली के दौरान नगर पूरी तरह देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला।'हर घर तिरंगा रैली' नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रास्ते में नगरवासियों ने रैली का स्वागत किया तथा राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान प्रकट किया। रैली में शामिल लोगों ने नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया।नगर अध्यक्ष गायत्री वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के भीतर राष्ट्रप्रेम की भावना को जागृत करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के लिए असंख्य वीरों ने अपना बलिदान दिया, इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे।उन्होंने नगरवासियों से अपील करते हुए कहा कि स्वतंत्रता दिवस को पूरे उत्साह और सम्मान के साथ मनाएं तथा अपने घरों पर तिरंगा फहराकर देश के वीर सपूतों और स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दें।रैली के दौरान नगरवासियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा करने का संकल्प लिया। जगह-जगह लोगों ने तिरंगे के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और 'हर घर तिरंगा' अभियान के प्रति अपना समर्थन जताया।इस अवसर पर नगर अध्यक्ष गायत्री वर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष पूजा शुक्ला, अरुण गुप्ता, भाजपा नेता अजय पुरवार, संजय गुप्ता, शानू खां, अंकित दीक्षित, सभासद गिरजा शंकर, ब्रजेन्द्र, ब्रजेश, अल्ताफ, ब्रजकिशोर, जाकिर, संदीप सोनी, संतोष खटीक, रामबाबू पाल, विकास गुप्ता, अमीन, जमील, पप्पू खां, राजा खां, पिंचू, रामआसरे, गणेश पांडे, भानु प्रताप सिंह परिहार, संजू सिंह, भानु प्रताप राजावत, कमलेश सिंह, केशव दुबे, राजेश कुमार, आसिफ, जुनेद, सलीम, नहीम, रसीद, जाविद, सासी पुरवार, पप्पी शाक्य, सुनीता, बीनू, राखी सहित बड़ी संख्या में नगरवासी मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718